हरिभूमि
बिलासपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

बिलासपुर भूमि

विसर्जन की धूम

बिलासपुर। शनिवार को शहर में गणेश प्रतिमा विसर्जन की धूम मची रही। दस दिन भगवान गणेश की आराधना करने के बाद लोगों ने बाजे-गाजे के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान अरपा के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। छठघाट पर विसर्जन की विशेष व्यवस्था की गई थी। यहां सबसे अधिक भीड़ रही। इसके अलावा पचरीघाट, रिवरव्यू, सरकंडा शिवघाट सहित अन्य घाटों पर श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ भगवान गणेश प्रतिमा का विसर्जन करते रहे।

गिनती के डॉक्टर और कर्मचारियों के भरोसे संवर्धन का जिम्मा

10 एकड़ में अधूरा निर्माण, 100 की बजाय 26 साहीवाल गाय मिली, कैसे होगा संरक्षण

कोमल सिंह ⏭ बिलासपुर

देशी साहिवाल गौ वंश बचाने नगोई में बनाए गए संरक्षण केन्द्र संसाधनों, कर्मचारियों की कमी, अधूरे निर्माण से जूझ रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और नेशनल डेयरी डेव्लपमेंट बोर्ड की मदद के बावजूद साहीवाल गौ वंश के संवर्धन की योजना सुस्त गति से चल रही है। हाल यह है कि योजना के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन अधूरा निर्माण कई सालों से जस का तस पड़ा है। कर्मचारियों और डाक्टरों की कमी बनी हुई है।

पशुधन विकास विभाग द्वारा गौ वंशों के संरक्षण और संर्वधन की योजना अधिकारियों की उदासीनता के चलते कमजोर पड़ चुकी है। नगोई में 12 एकड़ जमीन पर पशु संर्वधन केन्द्र तैयार बनाया गया। 2 करोड़ 90 लाख रूपए पीडब्ल्यूडी को निर्माण के लिए दिया गया है, इस राशि से 4 शेड निर्माण, कार्यालय, गोदाम, चाफकटर, वर्मी कंपोस्ट शेड का निर्माण किया गया है, जिसमें 2 करोड़ खर्च हो चुके हैं, लेकिन काम अधूरा है, दरअसल 90 लाख की फंड से हीफर शेड, फीड गोदाम निर्माण और दो ट्यूबवेल लगाए जाने हैं। इसके साथ ही समतलीकरण में राशि खर्च की जानी है, लेकिन यह कार्य डेढ़ साल से लंबित है। वहीं 21 लाख 43 हजार की लागत से क्षेत्र में मवेशी रखने के लिए समतलीकरण और जलभराव की स्थिति को देखते हुए ड्रेनेज बनाया जाना जरूरी हो चुका है। अन्य योजना के अंतर्गत 20 लाख की लागत से फेंसिंग भी विभागीय मदों के अनुसार कराई गई है, लेकिन करोड़ों रूपए फूंकने के बाद भी साल भर बाद भी साहिवाल गौ वंश की वृद्धि अभी दूर की कौड़ी है।

गौ-वंश संवर्धन योजना को शासन की स्वीकृतियों का इंतजार

निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण केन्द्र में भरा पानी।

26 गाय के सहारे योजना

योजना के अनुसार 100 साहिवाल गौ वंश की मदद से क्षेत्र में गौ वंश के संवर्धन और प्रजनन को बढ़ावा देने के लिए योजना की शुरूआत की जानी थी, लेकिन नेशनल डेयरी डेव्लपमेंट बोर्ड की मदद से वर्तमान में 26 साहीवाल गाय ही मिली है, इनसे 6 इस नस्ल की बछिया, बछड़े बढ़े हैं, लेकिन इन गौ वंश की बढ़ोत्तरी में केन्द्र का योगदान नहीं है।

कर्मचारियों की कमी

देशी नस्ल के गौवंश साहिवाल के संरक्षण और संर्वधन के लिए केन्द्र में चतुर्थ और तृतीय वर्ग कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो सकी है। योजना को बने 6 सालों बीत चुका है। कोनी स्थित संवर्धन क्षेत्र के कर्मचारी को पेंड्रा और अन्य जिलों में भेज दिया गया है। वहीं हाल ही में हुए ट्रांसफार के बाद यहां महज 1 ही डाक्टर मौजूद है। वर्तमान में यहां 6 स्टाफ है, जबकि आवश्यकता 40 की है, 2 डाक्टर और 2 सहायक ड्यूटी अनिवार्य है।

कुछ काम पूरे किए जाने हैं

करीब 26 गौ वंश को रखा गया है, उनका संवर्धन किया जा रहा है। जिन कामों को पीडब्ल्यूडी ने नहीं किया है, उन्हें पूरा कराया जाएगा।

- **डॉ जीएसएस तंवर,** जेडी, पशुधन विकास विभाग

खूंटाघाट जलाशय में ग्लास हाउस बनाने का रास्ता साफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

खारंग जलाशय खूंटाघाट में ग्लास हाउस बनाने का रास्ता अब साफ हो चुका है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए 10 लाख की राशि जारी की है। ग्लास हाउस के निर्माण की कुल लागत 2.95 करोड़ रुपए होगी। निर्माण के लिए जलाशय के वेस्ट वियर के करीब डेम-बी का चयन किया गया है। ग्लास हाउस के निर्माण के बाद जलाशय की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

- 2.95 करोड़ की लागत से होना है निर्माण

खूंटाघाट बांध में ग्लास हाउस बनाने का तीन साल पुराना सपना अब जल्द ही पूरा हो सकेगा। पर्यटन विभाग ने दस लाख रूपए जारी करके लगभग ठंडे बस्ते में जा चुकी इस योजना को पुनर्जीवित कर दिया है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा नवंबर 2022 में इस योजना को 295. 45 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण के लिए जलाशय के वेस्ट वियर एरिया स्थित डेम-बी का चयन किया गया था। एक हेक्टेयर भूमि में यहां ग्लास हाउस के अलावा रेस्टोरेंट भी बनाया जाना प्रस्तावित था। पर्यटन विभाग से किसी भी तरह की राशि प्राप्त नहीं होने के कारण सिंचाई विभाग द्वारा ग्लास हाउस के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं की जा सकी थी। राशि प्राप्त होने के बाद निर्माण की प्रक्रिया को अब गति मिल सकेगी।

पहले जलाशय के बीच टापू में प्रस्तावित था निर्माण

खूंटाघाट बांध में ग्लास हाउस बनाने की योजना वर्ष 2022 में तैयार की गई थी। उस दौरान इसका निर्माण जलाशय के बीचोबीच स्थित टापू में किया जाना प्रस्तावित किया गया था। प्रारंभिक तौर पर इसके निर्माण के लिए इस स्थान को पर्यटन की दृष्टि से बहुत अच्छा माना जा रहा था, लेकिन कुछ ही दिनों में पर्यावरण प्रेमियों द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा। पर्यावरण प्रेमियों का कहना था कि टापू में कई दशकों से विभिन्न जीव-जंतुओं एवं वहां स्थित पेड़-पौधों पर पक्षियों का बसेरा है, जिससे यहां ग्लास हाउस बनाने के लिए इसे पूरी तरह साफ करने के बाद उनका बसेरा समाप्त हो जाएगा। यही कारण है कि इस स्थान पर ग्लास हाउस के निर्माण का प्लान बदलना पड़ा।

जारी की गई है राशि

खारंग जलाश्य में ग्लास हाउस बनाने का रास्ता अब साफ हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा दस लाख रूपए जारी किए गए हैं। इस राशि से अब टेंडर व निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

- मधु कुमार चंद्रा, ईई
खारंग जल संसाधन संभाग

जूना बिलासपुर व्यापारी संघ करेगा पौध वितरण आज

बिलासपुर। जूना बिलासपुर व्यापारी संघ द्वारा 7 सितंबर को सुबह 11 बजे नागोराव शेष स्कूल चौक, जूना बिलासपुर में निःशुल्क 2500 पौधो का वितरण किया जाएगा। जूना बिलासपुर व्यापारी संघ के अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने बताया कि मुख्य अतिथि समाज सेवी अशोक गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि सिटी कोतवाली थाना प्रभारी देवेश सिंह राठौर होंगे।

विसर्जन के दौरान 3 डीजे वाहन जब्त

बिलासपुर। पुलिस ने प्रतिबंध के बाद भी गणेश विसर्जन के दौरान कानफोड़ आवाज में गाना बजाने पर दो डीजे वाहन को जब्त कर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

प्रतिबंध के बाद भी डीजे में तेज आवाज में गाना बजाकर गणेश विसर्जन के लिए जाया जा रहा था। सिविल लाइन पुलिस ने शिकायत पर रघुवेंद्र सभा भवन के पास से एक छोटा हाथी क्रमांक सीजी 10 सी, 9219 व डीजे साइंड सिस्टम को जब्त कर लिया है।

इसी तरह सीपत पुलिस ने सोंठी तालाब के पास पिकअप क्रमांक सीजी 10 बीपी, 9556 में डीजे सिस्टम लगाकर तेज आवाज में गाना बजाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन सहित डीजे जब्त कर लिया है। दोनों डीजे संचालकों के खिलाफ छत्तीगढ़ कोलाहल अधिनियम 1985 के धारा 4, 5, 6, 15 के तहत कार्रवाई की गई है।

कमिश्नर ने गैर जरूरी प्रस्ताव पर लगाया ब्रेक

बिलासपुर। सिम्स के नए कौंसिल कक्ष में आयोजित स्वशासी समिति की बैठक में सिम्स प्रबंधन ने अस्पताल और कालेज के लिए करोड़ों रूपए के कामों के प्रस्ताव पर मुहर लगाने तीसरी बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर सुनील जैन ने की, इस दौरान जहां लाखों रूपए के काम को स्वीकृति दी गई, वहीं कई गैरजरूरी कामों को रोक दिया गया। खास बात यह है कि कमिश्नर ने ऐसे कामों के लिए विभागों से रिपोर्ट मंगाई। है,इसके बाद ही आगामी बैठकों में स्वीकृति देने की बात कही है।

दरअसल सिम्स में प्रबंधन के लिए सफाई व्यवस्था और बेतरतीब कचरा सिरदर्द बना हुआ है। वेस्ट मैनेजमेंट के लिए प्रबंधन किसी अन्य एजेंसी से कचरे का उठाव कराने का प्रस्ताव बना चुकी है।

⏭शेष 2 पर

सिम्स स्वशासी समिति की बैठक

- बैठक में शामिल हुए थे कलेक्टर और कमिश्नर।
- तीसरी बैठक में प्रस्तावित थे करोड़ों रूपए के काम।

इन सुविधाओं पर लगी मुहर : सिम्स की स्वशासी समिति की बैठक में सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल उपस्थित रहे। इस दौरान अस्पताल सुविधाएं बढ़ाने के लिए कई प्रस्तावों पर अधिकारियों की मुहर लग चुकी है। बताया जा रहा है कि परीक्षा हाल में मेटल डिटेक्टर लगाया जाएगा जिससे परीक्षाओं के दौरान होने वाले फर्जीवाड़ा को रोका जा सके। चिकित्सालय मुख्य द्वार निर्माण व ई-आफिस के संचालन एवं क्रियान्वयन कार्य हेतु नवीन कम्प्यूटर, मल्टीफंक्शन प्रिन्टर सहित स्टेशनरी छपाई एवं सेन्ट्रल लैब व वार्ड में फर्नीचर सामग्री के लिये 45 लाख रूपए का अनुमोदन किया गया। संस्थान में रेडियोलॉजिस्ट की कमी को देखते हुए रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट हेतु निजी रेडियोलॉजिस्ट से 2 माह के लिए रिपोर्ट तैयार करने के लिए रेट तय कर लिया गया है। यह रेट अलग-अलग डाग्नोसिस के लिए अलग-अलग तय है। अधिकारियों ने साफ तौर पर कहा है कि जाँच रिर्पोट मरीज व परिजन को मोबाईल पर उपलब्ध हो, ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

ड्राइंग में गलती

इस दौरान गर्ल्स और बॉयस हास्टल के ऊपर बनाए जाने वाले शेड में खासी कमियां दिखाई दी। कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि जिम और शेड बनाने से पहले अन्य एजेंसी से इसकी ड्राइंग डिजाइन ठीक कराई जानी चाहिए। दरअसल शेड निर्माण का प्रस्ताव सिम्स की बिल्डिंग को सीपेज की समस्या से बचाना और बच्चों के लिए जिम की व्यवस्था करना है लेकिन सीजीएमएससी की डिजाइन से सीपेज की समस्या जस की तस रह सकती थी।

प्रस्ताव में सुधार की गुंजाइश

स्वशासी समिति की बैठक में किसी भी प्रस्ताव को निरस्त नहीं किया गया है, ठेका समाप्त होने वाला है ऐसे में कचरा उठाव के लिए ई कार्ट की व्यवस्था ठेका कंपनी के जरिए भी कराई जा सकती है। जनरेटर खरीदने से व्यय बढ़ेगा, इसकी किराए पर व्यवस्था की जा सकती है।

- सुनील जैन, कमिश्नर

6 SEPT- BSP-PG-2_Layout 1 9/7/2025 12:57 AM Page 1

खबर संक्षेप

शैल वस्त्रालय ने शिक्षकों का संस्थानों में जाकर किया सम्मान

बिलासपुर। शैल वस्त्रालय ने शिक्षक दिवस पर एक अनूठी पहल की। स्टोर की टीम ने शहर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का दौरा कर शिक्षकों को विशेष गिफ्ट वाउचर प्रदान किए, जिन्हें 5 से 7 सितम्बर तक रिडीम किया जा सकता। यह अपनी तरह की पहली पहल रही। व्यापारिक संस्थानों द्वारा इस प्रकार का सम्मान समाज और शिक्षा जगत के बीच सकारात्मक संबंधों को और मजबूत करता है।शैल वस्त्रालय के निदेशक विनय गुप्ता ने कहा कि शिक्षक हमारे देश के भविष्य को गढ़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह हमारे आभार का छोटा-सा प्रतीक है।"वहीं, विवेक गुप्ता निदेशक ने कहा,हम मानते हैं कि समाज के वास्तविक नायक हमारे शिक्षक हैं।

अक्षय गुरूकूल में शिक्षकों का सम्मान प्राचार्य ने कहा-भावी पीढ़ी तैयार करें

बिलासपुर। अक्षय गुरूकूल में शिक्षकों का सम्मान अक्षय गुरुकुल स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया। प्राचार्य एवं संचालक डी पी नवग्वाल ने कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय के प्राचार्य श्वेता सिंह ने कहा की सभी शिक्षक अपने कर्तव्य का पालन निष्ठा पूर्वक करें तभी शिक्षक एवं छात्र राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे। संचालक डी पी नवगवाल ने बताया की शिक्षक को निरंतर अपने कार्यों को समय अनुकूल छात्रों को विषय वस्तु से अवगत कराते रहे, जिससे कि वे अपने भविष्य के लिए अच्छा कार्य कर सकें।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल व्यापार विहार में नाट्य प्रस्तुति

बिलासपुर। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल व्यापार विहार में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अमर अग्रवाल थे। विशेष अतिथियों में सेंट जेवियर्स चेन ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ जीएस पटनायक, जिलाध्यक्ष दीपक सिंह शामिल थे। हाई स्कूल के छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। आस्था अग्रवाल ने गणेश वंदना प्रस्तुत की, ईवा ओशीन मसीह ने स्वागत भाषण दिया। डॉट पिक द कलर नामक खेल भी आयोजित हुआ, जिसके विजेता दीपक विश्वकर्मा, डॉली रोहरा, अंजू सिंह एवं अपर्णा मिश्रा रहे। शाला नायक अक्षत तंडन ने कविता पाठ किया। शिक्षक डी के. मिश्रा ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ जी एस पटनायक ने शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

निषाद पार्टी के संजय ने शिक्षकों को बताया भविष्य निर्माता

बिलासपुर। निषाद पार्टी ने किया सम्मान शिक्षक दिवस के पर निषाद पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने आईपीएस विजय पांडेय व चेयरमैन डॉ आरसी पांडेय द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईपीएस विजय पांडेय, प्रबंधक संजय पांडेय आदि उपस्थित थे।

ईद मिलादुन्नबी एवं जन्मदिन हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया

बिलासपुर। ईद मिलादुन्नबी एवं पैगंबर साहब के 150वें जन्मदिन पर उसकी देन कमेटी के प्रमुख पूर्व सभापति

शेख नजीरुद्दीन एवं उसकी देन कमेटी के अध्यक्ष एवं चिश्तिया रंग के सरपरस्त यूसुफ हुसैन (बंटी) एवं इकबाल की सक्रियता से हर्षोउल्लास के साथ ईद मिलादुन्नबी एवं जन्मदिन मनाया गया। साथ ही इस शुभ अवसर पर 5 सितंबर शुक्रवार को उसकी देन कमेटी के अध्यक्ष यूसुफ हुसैन का भी जन्मदिन था। जिन्हें भी समाज के प्रमुख शेख नजीरुद्दीन, इकबाल, एसए कादिर, अब्दुल सत्तार, जावेद मेमन, जावेद, जफर खान, खालिद, शेख शिकंदर,दुलारे, फैजान अहमद, इमरान मेमन, फयाज रजा, हुसैन खान आदि ने भी उन्हें ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पृष्ठ 1 का शेष

कमिश्नर ने गैर जरूरी...

सितंबर माह में ही मौजूदा ठेका खत्म होना तय है, ऐसे में ई कार्ट के जरिए कचरे का उठाव किया जाना प्रस्तावित है, लेकिन बैठक में कमिश्नर ने कहा कि ठेका निरस्त करने के बजाए ठेकेदार को ही ई कार्ट के जरिए कचरे का उठाव कराने का सुझाव दिया। वहीं ऑडिटोरियम के लिए जनरेटर खरीदने के बजाए किराए पर जनरेटर रखने के निर्देश दिए ताकि ऑडिटोरियम के मेंटनेंस में लगने वाला स्थाई व्यय कम होगा और कर्मचारी रखने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही गेट बनाने का प्रस्ताव भी अभी रोक दिया गया है।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों ने दिए आशीर्वचन, बच्चों को बताया देश का भविष्य

बिलासपुर। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया गया इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर गुरुजनों का सम्मान किया। साल श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। वहीं शिक्षकों ने भी इन बच्चों को देश का उज्जवल भविष्य बताते हुए उन्हें आशीर्वचन दिए। इसी तरह अन्य संगठनों ने भी संस्थाओं में जाकर अपने गुरुजनों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया। बच्चों ने भी सांस्कृति कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर उनका मनोरंजन किया। नाटक का मंचन कर खूब वाहवाही लूटी।

डीपीएस के बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

दिल्ली पब्लिक स्कूल में सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म जयंती के स्मृति पर शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया,कार्यक्रम के दूसरे चरण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनोहारी प्रस्तुति की श्रृंखला में हास्य नाटिका पीटीएम की प्रस्तुति ने कुछ प्रासंगिक विसंगतियों को दर्शाया। गेम पासिंग द पास के अंतर्गत ममता राठौर प्रथम,डेनिस वैस्ले द्वितीय तथा सांत्वना प्रसाद तृतीय स्थान पर रहीं। छात्राओं ने दक्षिण भारतीय संगीत पर नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी। किशोर कुमार के गीत को गाकर विद्यार्थियों ने मन मोह लिया, लक्ष्मी पांडे ने विद्यार्थियों को शिक्षक के कार्यों के महत्व से परिचित कराया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य जसपाल सिंह, प्रशासनिक अधिकारी आरसी मोहंती, प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी एसएन पाठक तथा प्रोग्राम इंचार्ज रवींद्रनाथ भटनागर और संस्था प्रबंधन ने समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

एसईसीएल सीएमडी ने किया प्रोत्साहित

शिक्षक दिवस पर एसईसीएल सीएमडी ने छात्रों को स्कॉलरशिप देकर किया पुरस्कृत बिलासपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर डीएवी विद्यालय में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ एसईसीएल सीएमडी स्कॉलरशिप योजना के तहत शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 वीं तथा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमडी एसईसीएल हरीश दूहन, चेयरमैन श्यामल राय, मैनेजर विवेक तथा डॉ भांजा उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य के पार्थिपन ने अपने स्वागत भाषण में सभी मुख्य अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें स्वागत गीत, नृत्य शामिल था।

सीवीआरयू के बच्चों ने किया सम्मान

डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया और उन्हें सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी, विश्वाविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि शिक्षकों का उन्मुखीकरण एवं दक्षता विकास शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सतत उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण से शिक्षक शिक्षण-प्रक्रिया में अधिक प्रभावी, संवेदनशील और अद्यतन बने रहते हैं। विश्वविद्यालय निरंतर करते रहता है, उन्होंने कहा कि शिक्षक आजीवन विद्यार्थी रहता है, जो शिक्षक सीखेगा नहीं वह सिखाएगा कैसे उन्होंने बताया कि इसलिए हर शिक्षक को हमेशा सीखते रहना चाहिए, ताकि वह बदलते समाज को सही दिशा देता रहे। कार्यक्रम में उपस्थित संकुलपति प्रोफेसर जयति चटर्जी ने कहा, कि कोई भी शिक्षक तब तक महान नहीं बन सकता जब तक उसका शिष्य अपने भविष्य के शिखर तक ना पहुचा हो।

राज्य शिक्षक सम्मान पुरस्कार 2025-26 से सम्मानित हुए डॉ. प्रवीण

बिलासपुर। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शहीद अविनाश शर्मा उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शाउमाशाला कन्या सरकंडा, बिलासपुर के गणित व्याख्याता डा. प्रवीण मिश्रा को राज्य शिक्षक सम्मान पुरस्कार 2025-26 से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान डा. मिश्रा के निर्देशन में लिखे गए 6 नाटकों ने ब्लॉक, जिला में प्रथम स्थान और राज्य स्तर पर सराहना प्राप्त कर विद्यालय को सांस्कृतिक जगत में पहचान दिलाई। एनसीईआरटी द्वारा आयोजित रोल प्ले प्रतियोगिता में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर आधारित उनका नाटक राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा और नई दिल्ली में प्रस्तुत होकर विशेष सराहना का पात्र बना। उनके मार्गदर्शन में प्रस्तुत विज्ञान नाटिका ने भी ब्लॉक व जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की विद्यानात्मक छवि को नई ऊँचाइयाँ दीं। डॉ. प्रवीण मिश्रा ने यह पुरस्कार अपने प्राचार्य डॉ. गायत्री तिवारी, डी.के. चौबे, कन्या सरकंडा विद्यालय की सभी छात्राओं को समर्पित किया।

रोटरी क्लब ऑफ़ क्वींस ने प्राचार्यों का किया सम्मान

रोटरी क्लब ऑफ़ क्वींस ने शिक्षक दिवस का आयोजन किया, जिसमे उन्होंने सेवानिवृत प्राचार्यों का सम्मान किया। रोटरी बिलासपुर क्वींस अध्यक्ष सीमा ठाकुर ने शिक्षकों को समाज के मार्गदर्शक एवं सुधारक के रूप में उनकी सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। रोटरी क्वींस ने सभी शिक्षकों को उपहार स्वरूप किताबें और रोटरी प्रिंटेड पेन दी। सभी सेवानिवृत प्राचार्यों ने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में " हील योर लाइफ सेशन " के अंतर्गत मीनाक्षी जुनेजा के द्वारा अपने विचारों के द्वारा अपने मन और शरीर को स्वस्थ रखने हेतु मैडिटेशन और एक्टिविटी का एक वर्कशॉप रखा गया।

एनएफबी ज्ञानदीप स्पर्श कन्या विद्यालय में बच्चों को सेनेटरी पैड, चॉकलेट वितरित

शिक्षक दिवस पर एनएफबी ज्ञानदीप स्पर्श कन्या विद्यालय तिफरा में सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन समाज सेविका कु. आकृति शर्मा और पायल ठाकुर ने किया। इसमें बच्चों को 60 सेनेटरी पैड, चॉकलेट्स और बिस्किट वितरित किए गए तथा उन्हें स्वच्छता व हाइजीन के महत्व के बारे में समझाया गया। इस मौके पर यूथ संस्कार के संस्थापक अभय दुबे, तनु लोधी, गौरी शर्मा, प्रियंका तिवारी, नेहा महना, मोनिका पायल उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों ने बच्चों को पढ़ लिखकर देश का अच्छा नागिरक बनने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों के कल्याण के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी।

सीएमडी कॉलेज के चेयरमैन डॉ. दुबे ने कहा शिक्षक समाज के सच्चे पथप्रदर्शक

सी.एम. दुबे स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. संजय दुबे ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय सिंह, प्राचार्य (बी.एड.) डॉ. अंजलि चतुर्वेदी, सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी गरिमामयी उपस्थिति में सम्मिलित हुए। उद्बोधन में डॉ. दुबे ने कहा कि शिक्षक समाज के लिए पथप्रदर्शक की भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। शिक्षक बनना कठिन कार्य है किंतु जब वह निष्ठा और समर्पण से अपने दायित्व का निर्वहन करता है तो समाज में स्वतः ही पूजनीय बन जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सदैव अपने गुरुजनों का सम्मान करें और उनके बताए मार्ग पर चलकर सफलता प्राप्त करें। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों का श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। बी.एड. विभाग के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में अनमोल वचन प्रस्तुत किए। साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो. राजकुमार पण्डा, प्रशांत गुप्ता, सोनिल कुमार मिश्रा, अंकिता शर्मा, गुलाब पाठक, संगीता ताम्रकार, तृप्ति पटेल, भारती विश्वकर्मा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

हॉली क्रॉस स्कूल में शिक्षक दिवस पर नाट्य मंचन

हॉली क्रॉस स्कूल में रंगारंग प्रस्तुतियों दी गई। विद्यार्थियों ने शिक्षकों की भूमिका को सम्मानित करने हेतु विभिन्न खेल-प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। कुछ छात्रों ने शिक्षकों की शैली की नकल कर हास्य-नाटिका प्रस्तुत की, जिससे पूरा वातावरण हंसी और खुशी से भर गया। पूरे दिन विद्यालय का वातावरण आनंद, सम्मान और प्रेरणा से भरा रहा। निश्चय ही यह दिवस सभी के लिए अविस्मरणीय स्मृति बन गया।

लायंस क्लब ने भारतीय परंपरा का बताया महत्व, किया शिक्षकों का सम्मान

लायंस क्लब और परीक्षा नालेज हब के सयुंक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति सीवी रमन डॉ प्रदीप कुमार घोष थे। विशिष्ट अतिथि डॉ राजकुमार सचदेवा और सीएस मिधास, रीजन चेयर पर्सन दिनेश अग्रवाल, दिलीप भंडारी, डॉ हर्ष पाण्डेय अध्यक्ष लायंस क्लब ने भारतीय परंपरा को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ राजकुमार सचदेवा ने भी संबोधित किया।

कुर्मी समाज ने किया शिक्षिकाओं का सम्मान, भजन व नृत्य की दी प्रस्तुति

कुर्मी समाज की नगर ईकाई की महिलाओं ने शिक्षक सम्मान किया। महिलाओं ने भजन, नृत्य पेश किया गया। फैंसी ड्रेस में विभिन्न परिधान में बच्चे उपस्थित रहे। सभी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उषा वर्मा, सीमा कश्यप, राधा, रश्मि वर्मा, लता, मधु, शकुंतला, निशा, विजयलक्ष्मी, प्रेमलता, पुष्पलता, सरिता चंद्रवंशी, संगीता, आशा, अर्चना, सुशीला बघेल, सीमा वर्मा, सरिता नायक आदि मौजूद थीं।

महक इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर में शादी-ब्याह और त्योहारों पर खास ऑफर

बिलासपुर। बैमा नागौई रोड स्थित महक इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर ने ग्राहकों के लिए शादी-ब्याह और त्योहारों को ध्यान में रखते हुए विशेष ऑफर शुरू किए हैं। संस्था के अनुसार शादी के समानों पर भारी छूट दी जा रही है, वहीं शहर में सबसे किफायती दर पर इलेक्ट्रॉनिक व फर्नीचर उपलब्ध कराया जा रहा है। महक इलेक्ट्रॉनिक की ओर से ग्राहकों के लिए सिल्वर, गोल्डन, डायमंड और प्लैटिनम पैक भी लॉन्च किए गए हैं। इन पैकेजों में विवाह के लिए आवश्यक सामान ग्राहकों को बजट और आवश्यकता के अनुसार आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही संस्था ने बताया कि आगामी नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के अवसर पर भी ग्राहकों को विशेष ऑफर दिए जाएंगे। त्योहारों पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आकर्षक फर्नीचर पर छूट का लाभ ग्राहकों को मिलेगा। संस्था के संचालकों का कहना है कि एक ही छत के नीचे संपूर्ण घरेलू जरूरतों का सामान किफायती दरों पर उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों को शादी-ब्याह के साथ-साथ त्योहारों पर भी ऑफर का लाभ लें।

बिजनेस प्लस

लायंस क्लब गोल्ड ने बताया अच्छे संस्कार और अनुशासन का महत्व

लायंस क्लब गोल्ड ने शिक्षक दिवस पर क्रिएटिव पब्लिक स्कूल जाकर शिक्षकों का नारियल, फूल देकर सम्मान किया गया। शिक्षक हमारे जीवन के मार्गदर्शक होते हैं। वे हमें केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की सीख भी देते हैं। जिन्होंने हमें बेहतर इंसान बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। इस कार्य को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रियंका जैन एवं रीता बरसैया का सहयोग रहा।

अपोलो में डाइटीशियन ने बताए- मिलेट्स के फायदे

बिलासपुर। राष्ट्रीय पोषण माह थीम – सही पोषण, बेहतर जीवन के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल्स में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य सभी को मिलेट्स (श्रीअन्न) के फायदे, उनसे बनने वाली हेल्दी रेसिपीज तथा स्वास्थ्य पर उनके सकारात्मक प्रभाव के बारे में जानकारी देना था। इस वर्ष की थीम ईट राइट फार ए बेटर लाइफ के आधार पर लोगों को सही पोषण के महत्व और मिलेट्स से होने वाले स्वास्थ्य सुधार के बारे में बताया गया। इस अवसर पर यूनिट हेड अर्नब एस. राहा कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा पोषण विशेषज्ञ डॉ. श्वेता छाबड़ा ने सही पोषण की अहमियत पर प्रकाश डाला। मुख्य क्लीनिकल डाइटिशियन सुश्री वी.

चम्पा मजूमदार ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के तरीके, विटामिन बी 12 युक्त आहार, वजन कम करने के उपाय, लो-फैट डाइट का महत्व पर से चर्चा की।इसमें पोषण विशेषज्ञ डॉ. श्वेता छाबड़ा ने आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ, विटामिन युक्त आहार,10 सुपरफूड्स, नट्स और ड्राई फ्रूट्स की जानकारी दी। मिलेट्स इंटरप्रेनर सुश्री दीक्षा शुक्ला ने जीवनशैली में बदलाव,मिलेट्स के प्रकार, पॉजिटिव और नेगेटिव ग्रेन्स, तथा मिलेट्स से होने वाले स्वास्थ्य लाभ व सुधार बताया। इस दौरान मरीज व उनके अभिभावकों ने डाइटिशियन द्वारा बताए गए उपायों की सराहना की और इसे आत्मसात करने का संकल्प लिया।

अग्रसेन जयंती समारोह, स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे लोग

अग्रवाल नवयुवक समिति ने किया रक्तदान, बताया महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह 2025 अग्रवाल नवयुवक समिति द्वारा आज रक्तदान व निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज के 75 से अधिक युवक तथा युवतियों ने रक्तदान कर समाज सेवा में मिशाल पेश किया है।

शिविर के मुख्य अतिथि सिम्स के डीन डॉ रमणेश मूर्ति, विशिष्ट अतिथि, डॉ गोविंद दीक्षित थे। अग्रसेन भवन जूनी लाइन में आयोजित इस शिविर में डॉक्टर आर एल भांजा, डॉ गौरी शंकर असाटी, डॉक्टर कविता बब्बर, डॉ अशोक मेहता, डॉ जी के मित्तल, डॉ आकाश गर्ग, डॉक्टर हेनरी, डॉक्टर वैभव कांत , डॉ एमेरेंद्र कुमार वाहने, डॉक्टर श्वेता सराफ, डॉक्टर प्रीति

मित्तल, डॉ गुंजन अग्रवाल, डॉ यश अग्रवाल, डॉ सुनीता अग्रवाल, डॉ टीना अग्रवाल, अमित अग्रवाल ने मरीजों का परीक्षण किया। दवा का वितरण भी किया गया। शिविर में डीआर अनुभव वर्मा का योगदान। रहा। आज के कार्यक्रम में शिव अग्रवाल, सुनील सोंथलिया, चतुर्भुज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुनील सुल्तानिया, संजय अग्रवाल, राजुल जाजोदिया, आनंद अग्रवाल, रंजना अग्रवाल, वंदना जाजोदिया, नितिन बेरीवाल, राजकुमार केडिया, उमेश मुरारका, बिहारी जालान, अजय जाजोदिया, विकास केजरीवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, जयप्रकाश मित्तल, राजू सुल्तानिया, मोनिल निशानियां, कपिल जाजोदिया, अंशुमन जाजोदिया, चंचल अग्रवाल, प्रत्युष गर्ग, स्वप्निल मोदी, मयंक निशानियां अमेश बुधिया, विनीत मित्तल , अमित रामपुरिया रक्तदान एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में विशेष रूप से मौजूद थे।

गौ माता की सेवा, अंताक्षरी आज

सदस्यों ने बताया कि इस अवसर पर गौ माता सेवा कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के मंगतराम अग्रवाल एवं सामाजिक बंधुओं ने गौशाला श्री कृष्ण धाम गौशाला नारियल कोठी दयालबंद पहुंचे। जहां उन्होंने गौशाला में गौ सेवा की। यहां 56 भोग गौशाला में अर्पित किया गया। उन्होंने बताया कि 7 सितंबर को अंताक्षरी कार्यक्रम होगा।

हरिभूमि

बिलासपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255

अगले बरस जल्दी आने की प्रार्थना के साथ बप्पा को दी विदाई

अनन्त चतुर्दशी पर शहर में गणेश विसर्जन की धूम रही। हरिभूमि में स्थापित गणेश प्रतिमा सहित अन्य गणेश उत्सव समिति ने अगले बरस जल्दी आने की प्रार्थना के साथ गणपति बप्पा का विधि-विधान से विसर्जन किया।

अनन्त चतुर्दशी पर शहर में रही गणेश विसर्जन की धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

शहर में गणेशोत्सव पूरे उत्साह से मनाया गया। गणपति बाप्पा दौड़ते, भागते जीवन में सुकून, समाधान, सकारात्मक ऊर्जा, रचनात्मकता, शांति, समाधान लेकर आते है। उनके आगमन की ख़ुशी से कई ज्यादा बढ़कर दुःख अनन्त चतुर्दशी को उन्हें विदा करने का होता है। वर्ष भर का सारा सुखः दुःख भी बप्पा के चरणों में ही अर्पण होता है। विसर्जन के दिन सबसे ज्यादा कठिन तो छोटे बच्चों को समझाना होता है कि गनु बाप्पा जा रहे है। उन्हें जाना होगा। अगले वर्ष फिर से आएंगे।

घर पर ही किया गणेश प्रतिमा का विसर्जन

अधिवक्ता रीता राजगीर ने पर्यावरण सरंक्षण का संदेश देते हुए, मिट्टी के गणेश की प्रतिमा को र घर में ही विसर्जित किए। पर्यावरण को एक संदेश देते हुए नदी में उनका विसर्जन नहीं किया। जूना बिलासपुर निवास पर ही परिवार द्वारा घर पर ही विसर्जन किया गया।

माहेश्वरी समाज ने लिया बाप्पा का आशीर्वाद

माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने भी शनिवार को गणेश विसर्जन किया। आरती कर प्रसाद चढ़ा कर अगले बरस जल्दी आना गणपती बाप्पा मोरया के नारे लगा कर प्रार्थना की गई। ज्योति, सरिता, सुधा, सरोज, अंजना, दीपाली, कृष्णा, पूजा, किरण, सुजिता, शीला, मंजू, सौम्या, नीता, ममता, आरती ने बाप्पा का आशीर्वाद लिया।

हवन, पूजन कर किया विसर्जन

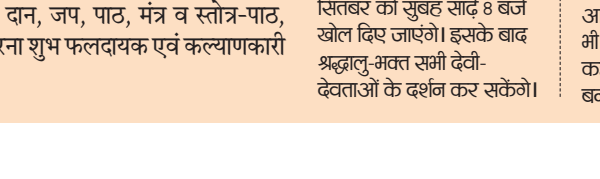

हरिभूमि कार्यालय में अनंत चतुर्दशी के दिन शनिवार को विधि-विधान से हवन, पूजन कर शांतिपाठ व विसर्जन किया गया। इस मौके पर हरिभूमि के महाप्रबंधक प्रियंक सिंह परिहार, सहायक महाप्रबंधक अरूण ज्योतिषि, रामेश्वर सोनी, राजेश सानन, भुवन देवांगन, रितेश शर्मा, असलम खान सहित हरिभूमि परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

चौकसे ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस ने किया विसर्जन

महाविद्यालय परिसर में ग्रुप के सभी महाविद्यालयो के विद्यार्थियो ने मिलकर गणेश की स्थापना महाविद्यालय परिसर में की और सभी ने मिलकर बड़े हर्सौल्लास के साथ गणेश भगवान की विधि विधान से पूजा अर्चना कर विसर्जन किया, जिसमें विद्यार्थियो के साथ सारे प्राध्यापक, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष एवं अन्य कर्मचारीगण ढोल ताशे की थाप पर नाचते नजर आये। भक्तों ने गुलाल उड़ाते हुए नृत्य किया और गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाए।

खाद्य विभाग में विराजे गणपति का विसर्जन

नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक नितिन दीवान,खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर, प्रबंधक सूर्यकांत शुक्ला, लेखपाल मनीष चंदेल, प्रबंधक गोविंद वैष्णव एवं अन्य कर्मचारियों ने कार्यालय में विराजित श्री गणेश जी की पूजा अर्चना, होम हवन, भोग प्रसाद वितरण पश्चात अरपा नदी के रिवर व्यू तट पर विसर्जन कर अगले साल बप्पा को पुनः आने का निमंत्रण दिया।

बाल गणेश समिति ने किया विसर्जन

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जबड़ा पारा गली नंबर 1 बाल गणेश उत्सव समिति द्वारा हवन यज्ञ कर विधि विधान से आरती कर गणेश जी का विसर्जन राम सेतु आरपा घाट में किया गया। इस अवसर पर रेखा पांडे, प्रीति पांडे, रेणु नेताम,आरती ध्रुव,सरस्वती बघेल,सविता तिवारी, सिया वती, सरिता यादव,सोमू तिवारी, दिनेश मिश्रा, पंडित तेजस्व पांडे, यस पांडे, अतुल मिश्रा, वेद प्रकाश पांडे, मनीष श्रीवास्तव, राम कृष्ण साहू, विशाल काकू, राजू साहू, मेहुल, कबीर, भाऊ राव, आदि उपस्थित थे।

अनंदचतुर्दशी के अवसर से विधि विधान से पूजा कर अरपा विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष प्रदेश प्रवक्ता अभय नारायण राय ने गणपति भगवान का विसर्जन किया।

सूतक काल में भोजन बनाना व करना दोनों रहेगा निषिद्ध

कार्नर न्यूज

खग्रास चंद्रग्रहण आज, 9 घंटा पूर्व लग जाएगा सूतक

बिलासपुर। भाद्रपद पूर्णिमा 7-8 सितंबर को मध्य रात्रि 9.57 से 1.27 तक खग्रास चंद्रग्रहण लग रहा है। यह संपूर्ण भारत में दिखाई देगा। इसका सूतक काल कल 9 घंटा पूर्व यानी दोपहर 12.57 से लगेगा। बालक, वृद्ध, रोगी के लिए शाम 6.57 से लगेगा। सूतक काल में भोजन बनाना और करना दोनों निषिद्ध है।

सात सितंबर को दोपहर साढ़े 12 बजे के पूर्व भोजन तैयार कर 12.57 के पूर्व भोजन कर सकते है। बालक, वृद्ध, रोगी लोग शाम 6.57 के पूर्व भोजन कर लें। दोपहर साढ़े 12 बजे के बाद रसोई को धोकर रख देना है। शाम को भोजन नहीं बनाना है। दोपहर में भोजन बना रहेगा उसे केवल बालक, वृद्ध, रोगी शाम

6.57 के पूर्व खा सकते हैं। सूतक और ग्रहण काल में भोजन करने से शरीर में रोग बढता है। सूतक व ग्रहण काल में स्नान, दान, जप, पाठ, मंत्र व स्तोत्र-पाठ, ध्यान, हवन करना शुभ फलदायक एवं कल्याणकारी होता है।

मंदिरों के पट रहेंगे बंद

चन्द्रग्रहण के मद्देनजर श्री घोंघाबाबा मंदिर परिसर स्थित खाटू श्याम सहित सभी मंदिरों के अलावा शहर के अन्य सभी मंदिरों के पट बंद रहेंगे। श्याम मंदिर के ट्रस्टी दीपराज उपाध्याय ने बताया कि मंदिर के पट रविवार 7 सितंबर को सुबह साढ़े 11 बजे बंद कर दिए जाएंगे और सोमवार 8 सितंबर को सुबह साढ़े 8 बजे खोल दिए जाएंगे। इसके बाद श्रद्धालु-भक्त सभी देवी-देवताओं के दर्शन कर सकेंगे।

लोग इस खूबसूरत दृश्य का ले सकेंगे आनंद

पीतांबरा पीठाधीश्वर आचार्य डॉ. दिनेश महाराज ने बताया कि साल 2025 का चंद्र ग्रहण एक महत्वपूर्ण घटना है, जो खगोलीय और धार्मिक दोनों ही दृष्टि से खास मानी जा रही है। इस बार यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। यह ग्रहण लगभग 3 घंटे 28 मिनट तक चलेगा, जो इसे एक लंबी खगोलीय घटना बनाता है। यह एक दुर्लभ मौका है जब भारत के लोग इस खूबसूरत खगोलीय दृश्य का आनंद ले सकेंगे। इस बार का ग्रहण इसलिए भी खास है क्योंकि यह ज्योतिषीय दृष्टि से कई ग्रहों की स्थितियों के साथ मिलकर योग बना रहा है।

पितृ पक्ष श्राद्ध कल से

पितृ पक्ष श्राद्ध सोमवार 8 सितंबर से आरंभ हो जाएगा। अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा भावना रखते हुए आश्विन कृष्ण पक्ष में पितृ-तर्पण एवं श्राद्ध कर्म करना आवश्यक है। जिससे स्वास्थ्य, समृद्धि, आयु, सुख-शांति, वंश वृद्धि एवं उत्तम संतान की प्राप्ति होती है।

लगातार दमक रहे सोना-चांदी, आठ माह में दिया 36% व 42% तक रिटर्न

- ▶▶ रिटर्न देने में सभी एसेट्स को पीछे छोड़ा, निवेशक मालामाल
- ▶▶ सही रणनीति बनाकर निवेश किया जाए तो मिलेगा फायदा
- ▶▶ हाल में आई तेजी के बीच सोने में निवेश की सही प्लानिंग करें
- ▶▶ गोल्ड व सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने 40% से ज्यादा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की दहशत के बीच सोना-चांदी निवेश के सबसे भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने इस साल अब तक 8 माह में करीब 36% तक और चांदी ने करीब 42% तक रिटर्न दिया है। यानी इन 8 महीनों में चांदी सोने से काफी आगे निकल गई है। अगर रुपये में बात करें तो चांदी 37,281 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। वहीं, सोना 27,976 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। जानकारों का कहना है कि इस साल के आखिरी तक रिटर्न के मामले में चांदी सोने को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सोने लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लोगों को अब इसमें प्लानिंग तहत निवेश करना होगा। वरना यह झटका भी दे सकता है। हालांकि कहा जाता है कि सोना पुराने समय से ही भरोसे का निवेश रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। बीते एक साल में गोल्ड और सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने भी 40% से ज्यादा एवरेज रिटर्न दिया

है। निवेशकों के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तेजी के बाद अब भी सोने-चांदी में निवेश करना सही रहेगा? और अगर हां, तो किस तरीके से।

सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

सोने-चांदी की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इनका असर ईटीएफ पर भी पड़ा है। पिछले 12 महीनों में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 40.44% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 गोल्ड ईटीएफ मार्केट में एक्टिव रहे, जिनमें टाटा गोल्ड ईटीएफ ने सबसे ज्यादा 40.76%, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ ने 40.74% और आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ ने भी 40.67% का मजबूत रिटर्न दिया।

क्यों बढ़ रही है सोने-चांदी की चमक

जानकारों के मुताबिक सोने और चांदी की कीमतों में यह उछाल जियो-पोलिटिकल टेंशन, टैरिफ को लेकर जारी उथल-पुथल और इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से आया है. खासतौर पर सिल्वर की डिमांड सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हिकल (ईवी) और ग्रीन टेक्नोलॉजी में ज्यादा हो रही है। यही वजह है कि चांदी 10 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची है। सोना पारंपरिक रूप से एक डिफेंसिव एसेट माना जाता है, जो बाजार में अनिश्चितता और डर के समय निवेशकों को सुरक्षा देता है। यही कारण है कि हर अस्थिर दौर में सोने की कीमतें ऊपर जाती हैं।

पोर्टफोलियो में कितना हो गोल्ड-सिल्वर का हिस्सा

आपके पोर्टफोलियो में सोने-चांदी की हिस्सेदारी 10–20% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बाकी निवेश इक्विटी और डेट में होना चाहिए। आमतौर पर 80:20 का इक्विटी-डेट रेशियो संतुलित माना जाता है, और सोना-सिल्वर इसमें हेजिंग यानी रिस्क से बचाने का काम करते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड और सिल्वर आपको लगातार ऊंचा रिटर्न नहीं देंगे, लेकिन आपके पोर्टफोलियो को अस्थिरता से बचाने और डाइवर्सिफिकेशन देने का काम करेंगे।

ईटीएफ और एसआईपी के जरिये निवेश बेहतर

सोने-चांदी की मौजूदा ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक एसआईपी (एसआईपी) के जरिए धीरे-धीरे इनमें पैसा लगाएं। इससे कीमतों के उतार-चढ़ाव की एवरेजिंग हो जाती है और लंबी अवधि में बेहतर नतीजे मिलते हैं। ईटीएफ सोने-चांदी में निवेश का सबसे आसान और ज्यादा पारदर्शी तरीका है। गोल्ड ईटीएफ में हर यूनिट आम तौर पर 1 ग्राम सोने की वैल्यू को बताती है। इन्हें आप डिमैट अकाउंट के जरिए शेयरों की तरह खरीद-बेच सकते हैं. सिल्वर ईटीएफ भी इसी तरह काम करते हैं।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अगर आप सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो इसे स्पेक्युलेटिव यानी सट्टे नजरिए से नहीं बल्कि एसेट एलोकेशन के नजरिए से देखें। यह लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो को स्टेबल और सुरक्षित बनाते हैं।

- ▶▶| पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर की हिस्सेदारी 10–20% तक रखें
- ▶▶| एकमुश्त निवेश की बजाय एसआईपी से धीरे-धीरे खरीदें
- ▶▶| ईटीएफ को प्रायोरिटी दें क्योंकि वे पारदर्शी, आसान और लिक्विड होते हैं
- ▶▶| अगर प्रोफेशनल मैनेजमेंट चाहिए तो मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड भी विकल्प हो सकते हैं

सावधानी से बढ़ाएं कदम

सोने-चांदी में तेजी के बावजूद निवेशकों को सावधानी से कदम बढ़ाना चाहिए। यह सही है कि हाल में ईटीएफ ने 40% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन भविष्य में इनका रोल मुख्य रूप से पोर्टफोलियो को स्टेबल रखने और जोखिम कम करने का रहेगा। सही रणनीति यही है कि इन्हें लंबी अवधि के लिए एसेट एलोकेशन का हिस्सा बनाएं, न कि शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 की पहली छमाही में सोने में जो तेजी देखी गई है, वह लंबी खिंच सकती है और अब नई खरीदारी से बचना चाहिए, क्योंकि कीमतें पहले से ही काफी ऊंचाई पर पहुंच गई हैं।

क्या होती है नो-कॉस्ट ईएमआई क्या सच में नहीं लगता ब्याज?

जानकारी
बिजनेस डेस्क

- ■ जानिए कैसे रिटेलर और बैंक ब्याज को एडजस्ट करते हैं
- ■ किस तरह सही ऑफर चुनकर बचत की जा सकती है
- ■ कोई भी सामान खरीदने से पहले एक बार जरूर देख लें
- ■ तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता

त्योहारी सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स और बैंक 'नो-कॉस्ट ईएमआई' का खूब प्रचार करते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी से लेकर फ्रिज और वॉशिंग मशीन तक, हर जगह यह ऑफर देखने को मिल जाता है। सुनने में तो यह बहुत लुभावना लगता है कि महंगी चीज बिना ब्याज के आसान किस्तों में मिल जाएगी। इसे देखकर अक्सर ग्राहक भी ललचा जाते हैं और ज्यादा से ज्यादा सामना खरीदने का प्रयास करते हैं। ऐसे त्योहारी सीजन में खासकर होता है। लेकिन क्या नो-कॉस्ट ईएमआई सच में 'फ्री' है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तथ्य जिनसे पता चलेगा की नो-कॉस्ट ईएमआई कभी भी फ्री नहीं होता। इसके कुछ ने कुछ हिडन चार्ज जरूर होते हैं, जिन्हें बैंक बड़ी असानी से एडजस्ट करते हैं और कस्टमर को पता तक नहीं चलने देते। आइए एक्सपर्ट समझते हैं नो-कॉस्ट का पूरा खेल। जानकारों का कहना है कि नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह होता है कि जब आप कोई प्रोडक्ट किस्तों में खरीदते हैं, तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना पड़ता। लेकिन हकीकत में 'नो कॉस्ट' ईएमआई पूरी तरह से फ्री नहीं होती, बल्कि इसमें ब्याज या चार्जेज को अलग तरीके से एडजस्ट किया जाता है।

कैसे काम करती है नो-कॉस्ट ईएमआई

डिस्काउंट या सब्सिडी: अब मान लीजिए कि आपने 30,000 का स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीदा। इसकी ईएमआई पर बैंक ब्याज लेगा, क्योंकि यही तो उसका बिजनेस है। सामान्य ईएमआई पर बैंक 12% ब्याज दर से 12 महीने की ईएमआई बनाएगा। ऐसे में कुल लागत लगभग 31,800 रुपये हो जाती, लेकिन रिटेलर या ब्रांड आपको ब्याज जितना डिस्काउंट दे देता है। असल में आप कुल 30,000 ही चुकाते हैं। 1,800 के ब्याज का बोझ कंपनी उठा लेती है। कई ऑफर में ब्याज सीधे नहीं दिखाया जाता। यानी आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई है, कोई ब्याज नहीं लगेगा'। जैसे कि प्रोडक्ट का कैश प्राइस 30,000 है। डिस्काउंट के साथ वह 27,000 में मिलता। ईएमआई पर वही प्रोडक्ट 30,000 के कुल ईएमआई में बांट दिया गया। आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई ' है, लेकिन आप 3000 रुपये की बचत गंवा रहे।

क्या वाकई मुफ्त है नो-कॉस्ट ईएमआई : अगर तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता। अगर रिटेलर सब्सिडी दे रहा है तो उसका खर्च कंपनी वहन कर रही है, जिससे उसका मार्जिन घटता है। अगर कीमत बढ़ाकर एडजस्ट किया गया है तो ग्राहक ने इनडायरेक्ट तरीके से ब्याज ही चुका दिया।

कई बार नहीं मिलते ऑफर : कई बार नो कॉस्ट ईएमआई के साथ अन्य डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध नहीं होते, यानी कैशबैक या कूपन का फायदा हाथ से जा सकता है। जैसे कई बार कंपनियां 30,000 के प्रोडक्ट का एमआरपी ही 32,000 लिख देती हैं और नो कॉस्ट ईएमआई पर बेचती हैं। ग्राहक को लगता है कि ब्याज नहीं लगा, जबकि उसने पहले से बढ़ी हुई कीमत चुका दी।

क्या है आरबीआई का नियम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2013 में साफ किया था कि नो कॉस्ट ईएमआई स्कीम्स में ब्याज शून्य दिखाना भ्रामक हो सकता है। इसके बाद एनबीएफसी और बैंकों ने इन ऑफर्स को अलग तरह से डिजाइन किया। अब प्रैक्टिकली ब्याज का बोझ मैन्युफैक्चरर या रिटेलर उठाता है, ग्राहक को 'नो कॉस्ट' का अनुभव देने के लिए।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

एमआरपी और सेलिंग प्राइस चेक करें। जैसे कि क्या ईएमआई प्रोडक्ट असली डिस्काउंट प्राइस पर मिल रहा है या बढ़ी हुई कीमत पर? ऑफर्स की तुलना करें। कई बार सीधा डिस्काउंट ऑफर लेना नो कॉस्ट ईएमआई से सस्ता पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस देखें। कुछ बैंकों में प्रोसेसिंग फीस या जीएसटी अलग से लिया जाता है। टेन्योर को जरूर समझें। जैसे कि ईएमआई कितने महीनों में देनी है और क्या पहले भुगतान करने पर कोई पेनल्टी लगेगी? अपने बजट पर भी ध्यान दें। किस्तों में पेमेंट आसान लगता है, लेकिन खर्च बढ़ाने का लालच भी दे सकता है।

सैलरी का सिर्फ 10 पर्सेंट हर महीने बचाकर भी बन सकते हैं करोड़पति

●पहले लक्ष्य तय करें, इसके बाद लंबे समय तक निवेश में डटे रहें ●30 साल में बनाया जा सकता है 1.23 करोड़ का फंड ●छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश बना देगा धनवान

बचत
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर किसी का सपना होता है कि वह रिटायरमेंट तक अपने लिए एक बड़ा फंड जमा कर सके, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि करोड़ों रुपये की बचत के लिए बहुत बड़ी सैलरी होनी चाहिए। जबकि सच यह है कि छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश की आदत किसी को भी करोड़पति बना सकती है। एक उदाहरण से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी अपनी सैलरी का सिर्फ 10% हर महीने बचाकर एसआईपी के जरिए 30 साल में 1.23 करोड़ रुपये का फंड खड़ा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी धीरे-धीरे करोड़ों रुपये का फंड बना सकते हैं।

ऐसे समझें निवेश का गणित

मान लीजिये आपकी उम्र अभी 22 साल है और वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। आपकी हर महीने की सैलरी 40,000 रुपये है। युवा उम्र में ही आपने तय कर लिया कि वह अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग अभी से शुरू करेंगे तो आपको हर महीने अपनी कमाई का सिर्फ 10% यानी 4,000 को म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगाना शुरू करना होगा। इसे आप किसी भी हालत में निकालेंगे नहीं और समय के साथ अपने फंड का बढ़ाते जाएंगे। आप देखेंगे की कुछ ही समय में आपका पैसा बढ़ने लगेगा।

50 की उम्र तक करोड़पति बनेंगे

अगर आप अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं और निवेश को लगातार बढ़ाते जाएंगे तो आसानी से 50 साल की उम्र तक करोड़पति बन सकते हैं। इसके कंपाउंडिंग का पैसा आपकी रकम को और बढ़ाता जाएगा। आपका लक्ष्य था कि जब वह 50 साल की उम्र को पार करे, तो उसके पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड हो। इस तरह आपका लक्ष्य पूरा हो सकेगा। इसके लिए आपको लगातार 30 साल तक 4,000 हर महीने एसआईपी में निवेश करना जरूरी होगा। एसआईपी के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड को चुनना होगा।

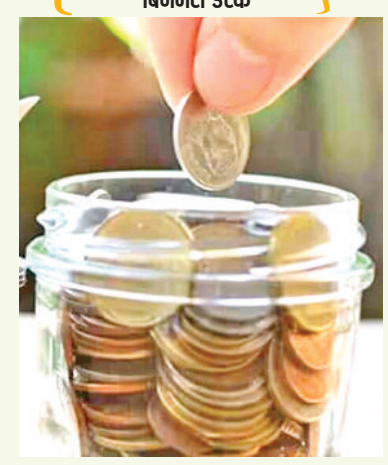

पूरा कैलकुलेशन

आपने 30 साल तक हर महीने 4,000 की एसआईपी की। इस तरह उसका कुल निवेश 4,000 x 12 महीने x 30 साल = 14,40,000 रुपये हुआ। इस निवेश पर उसे 12% की औसत वार्षिक रिटर्न दर मिली। कंपाउंडिंग के जादू से 30 साल बाद उसका निवेश बढ़कर 1,23,23,893 रुपये हो गया। यानी, 14.4 लाख रुपये निवेश करने पर उसे 1,08,83,893 का रिटर्न मिला। यह दिखाता है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने से छोटी रकम भी करोड़ों में बदल सकती है।

युवाओं के लिए बड़ी सीख

यह कहानी हर युवा के लिए प्रेरणादायक हो सकती है जो अपनी रकम को बढ़ाना चाहते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग के लिए बड़ी सैलरी या मोटा निवेश जरूरी है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और जल्दी शुरुआत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर आप 10 साल बाद यानी 32 साल की उम्र में निवेश शुरू करता, तो उसे 20 साल का समय मिलता। इतने समय में उसका निवेश लगभग आधा ही होता। इससे साबित होता है कि निवेश जितनी जल्दी शुरू करें, उतना बेहतर।

ये मंत्र भी अपनाएं

1. वित्तीय शिक्षा प्राप्त करें
वित्तीय शिक्षा आपको पैसे के प्रबंधन, निवेश व बचत के बारे में जानने में मदद करेगी। यह आपको वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस योजना बनाने में मदद करेगी।

2. नियमित बचत करें
नियमित बचत करना करोड़पति बनने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाएं और इसे निवेश में लगाएं।

3. निवेश करें
निवेश करना आपके पैसे को बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, और रियल एस्टेट जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों का पता लगाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें।

4. व्यवसाय शुरू करें
व्यवसाय शुरू करना करोड़पति बनने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। अपने जुनून और कौशल के अनुसार व्यवसाय शुरू करें और इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

5. नेट वर्थ बढ़ाएं
नेट वर्थ बढ़ाने के लिए, अपनी आय बढ़ाने और व्यय कम करने पर ध्यान दें। अपने ऋणों का भुगतान करें और अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए निवेश करें।

6. धैर्य रखें
करोड़पति बनने में समय लगता है। धैर्य रखें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।

7. वित्तीय अनुशासन
वित्तीय अनुशासन करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन में रहें और अपने व्यय को नियंत्रित रखें।

8. नेटवर्क बनाएं
नेटवर्क बनाना करोड़पति बनने में मदद कर सकता है। अपने उद्योग में लोगों से मिलें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्क का उपयोग करें।

9. जोखिम उठाएं
जोखिम उठाना करोड़पति बनने का एक हिस्सा है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें, लेकिन जोखिम को प्रबंधित करने के लिए भी तैयार रहें।

10. सीखना जारी रखें
सीखना जारी रखना करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उद्योग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में सीखें व अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

प्लानिंग जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे निवेश की रफ्तार को भी बढ़ाएं, इससे जल्द पैसा बढ़ेगा

अनावश्यक खर्च करने से बचें, ऑफर का देखकर ललचाएं नहीं निवेश की अच्छी रणनीति बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें

जीवन में आगे बढ़ने के साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, स्टेप अप एसआईपी आपको अमीर बनाने में निभाएगी बड़ी भूमिका

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करके अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको थोड़ा संयम बरतना होगा और जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ अपने निवेश को भी बढ़ाना होगा। तभी आप अपने धन को बढ़ा पाएंगे और बुढ़ापे में खुद को आर्थिक रूप ये मजबूत रख पाएंगे। देखने में आता है कि नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। आइए समझते हैं कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है?

स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं।

आपकी बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल

जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात देन के लिए निवेश जरूरी

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी ज़रूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनाी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- ▶▶| मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- ▶▶| पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- ▶▶| दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- ▶▶| तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- ▶▶| धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

स्टेप-अप एसआईपी बेहतरीन तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी ज़िंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और ज़रूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे। तो, क्या आप निवेश का सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं?

ऐसे तैयार करें निवेश की रणनीति

विविधीकरण : विविधीकरण एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को विभिन्न परिसंपत्तियों में फैलाते हैं, जैसे कि शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और अन्य। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बढ़ सकता है।

लंबी अवधि का निवेश : लंबी अवधि का निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए रखते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

नियमित निवेश : नियमित निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

जोखिम प्रबंधन : जोखिम प्रबंधन एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश के जोखिम को प्रबंधित करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश : वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करते हैं। इससे आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

निवेश की लागत को कम करना : निवेश की लागत को कम करना एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश की लागत को कम करते हैं। इससे आपको अपने रिटर्न को बढ़ाने में मदद मिलती है।

नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना : नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और आवश्यकतानुसार बदलाव करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

खबर संक्षेप

बॉक्सर्स ने जीता 7 स्वर्ण 4 रजत एवं 5 कांस्य पदक

बालको। थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित नेशनल थाई बॉक्सिंग कैडेट, सब जूनियर, जूनियर और सीनियर प्रतियोगिता बनारस जो कि 29 से 31 अगस्त तक सनबीम स्कूल वाराणसी में आयोजित थी। जिले के ड्रैगन मार्शल आर्ट एकेडमी से कुल 12 बॉक्सर्स 4 ऑफिसियल की टीम ने इसमें भाग लिया। जिसमें रजल चक्रवती थाई लाइट 28 किलो कांस्य पदक, आयुष उरांव थाई लाइट 32 किलो स्वर्ण पदक,अथर्व शर्मा थाई लाइट 48 किलो कांस्य पदक, हर्ष यादव थाई लाइट/लो थाई 50 किलो स्वर्ण पदक, शेन एलेक्स थाई लाइट 55 किलो रजत पदक, आराध्या श्रीवास थाई लाइट 63 किलो स्वर्ण पदक हर्षिता केवट थाई लाइट 30 किलो स्वर्ण पदक, सामद्रिता चक्रवर्ती थाई लाइट 55 किलो रजत पदक, दीपक रोहिदास लो थाई 52 किलो स्वर्ण/ कांस्य पदक प्राप्त किया।

निधन

रमेश तिवारी

बिलासपुर। नेहरू नगर निवासी बाघामुड़ा, घठोली वाले रमेश तिवारी का 6 सितंबर को निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। जिनका अंतिम संस्कार 7 सितंबर रविवार को सुबह 8 बजे सरकंडा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे प्रज्ञेष तिवारी, जयेश तिवारी, गीता शास्त्री के पिता एवं डॉ सुरेश तिवारी, डॉ प्रमोद तिवारी, डॉ विनोद तिवारी, दिनेश तिवारी, राकेश तिवारी के भाई तथा चंचल तिवारी, डॉ निलय तिवारी,अलिंद तिवारी, डॉ उत्कर्ष तिवारी,डॉ सूर्यांश तिवारी, शिवम तिवारी, श्रेया तिवारी, स्वास्तिक तिवारी, सात्विक तिवारी के बड़े पिता व संतोष तिवारी,अशोक तिवारी,रघुनंदन शर्मा ,बेनी माधव तिवारी के भतीजे थे।

संजय राव भोंसले

बिलासपुर। आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे सरकंडा निवासी संजय राव भोंसले का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 सितंबर को सुबह 9 बजे सरकंडा मुक्ति धाम में किया जाएगा। वे संतोष भोसले के अनुज एवं जय, ओम भोंसले के पिता और गौरव भोंसले के चाचा थे।

कमला सिंह ठाकुर

मस्तूरी। ग्राम पंचायत नेवारी निवासी कमला सिंह ठाकुर का 65 वर्ष की आयु में 5 सितम्बर को स्वर्गवास हो गया। उनका अंतिम संस्कार 6 सितम्बर को गृहग्राम नेवारी स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे भाजपा युवा मोर्चा मल्हार मंडल के महामंत्री पूरन सिंह ठाकुर की मां थी। वे अपने पीछे 6 पुत्र, 4 पुत्री तथा नाति -नातिनियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गईं।

हिमांशु कश्यप

तखतपुर। कल्पना विहार निवासी हिमांशु कश्यप 22 वर्ष का 6 सितम्बर को निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार 7 सितम्बर को सुबह 9 बजे झूलेलाल मुक्तिधाम कस्तूरबा नगर में किया जाएगा। वे जनपद पंचायत के लिपिक विरेंद्र कश्यप के पुत्र थे।

घनश्याम सिंह ठाकुर

तखतपुर। ग्राम उमरिया निवासी घनश्याम सिंह ठाकुर का 4 सितम्बर को 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार गृहग्राम उमरिया में किया गया। वे यह दुर्गेश सिंह, लक्की सिंह के पिता थे।

अगसिया बाई सिंगरौल

तखतपुर। ग्राम जोरापारा निवासी अगसिया बाई सिंगरौल का 80 वर्ष की आयु में 6 सितम्बर को निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार गृहग्राम जोरापारा में किया गया। वे जिला पंचायत के प्रथम अध्यक्ष बीआर सिंगरौल की पत्नि थीं।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

एसईसीएल ने नर्सिंग कालेज को प्रदान की 2 नई बसें

छात्राओं को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी

नई बसों को रवाना करते केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

एसईसीएल ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय बिलासपुर को 2 नई बसें प्रदान की है।

इन बसों का शुभारंभ शनिवार को आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया। तोखन साहू ने उद्घाटन समारोह से एसईसीएल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नर्सिंग जैसे सेवा आधारित क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्राओं को हर संभव सुविधा देना हमारी प्राथमिकता है। एसईसीएल की ओर से प्रदन की गई ये नई बसें न केवल विद्यार्थियों के आवागमन को सुगम बनाएंगी, बल्कि उनकी शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगी। इन बसों के मिलने से छात्राओं को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उनकी शिक्षा में निरंतरता और सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी। इस अवसर पर नर्सिंग छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अतिथियों का स्वागत किया। एसईसीएल की ओर से सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर योगदान दिया जा रहा है।

नर्सिंग महाविद्यालय को बसों की उपलब्धता इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक एसईसीएल सीएम वर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसईसीएल सीएसआर विभाग के अधिकारी, शिक्षक व छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव के लिए पंजीयन 20 तक

मुंगेली। जिले में खेल, स्पोर्टस कल्चर और लीडरशिप को युवाओं में बढ़ावा देने, स्पोर्टस और फिटनेस के माध्यम से समुदाय को साथ लाने तथा फिट इंडिया के संदेश को हर-घर पहुंचाने एवं ग्रासरूट लेवल पर टैलेंट की पहचान करने के उद्देश्य से 'सांसद खेल महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव अंतर्गत विभिन्न खेलों में पंजीयन की अंतिम तिथि 20 सितम्बर निर्धारित की गई है। वरिष्ठ खेल अधिकारी संजय पॉल ने बताया कि, 21 सितम्बर से 24 दिसम्बर तक सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी एकल खेल अंतर्गत बोरा दौड़, वॉकथान, 400 मीटर दौड़, तीरंदाजी आदि खेलों में भाग ले सकते हैं। इसी तरह दलीय खेल अंतर्गत रस्साकसी, कबड्डी, वॉलीबाल, फुटबाल आदि में से किसी एक खेल का चयन कर भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीयन ऑनलाइन किया जा सकता है।

आज चंद्र ग्रहण पर नृसिंह देव मंदिर के पट रहेंगे बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

ग्राम हांफा में बघर्रा पाठ महाराज नृसिंह देव का मंदिर स्थापित है। आचार्य धनेश उपाध्याय ने बताया की भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा तिथि 7 सितम्बर दिन रविवार को संपूर्ण भारत में चन्द्र ग्रहण दिखाई देगा। यह ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। पूर्ण चंद्र ग्रहण को ही ब्लड मून कहा जाता है।

यह ग्रहण पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा सूतक काल प्रारंभ-धार्मिक दृष्टिकोण से ग्रहण से पहले का समय सूतक काल कहलाता है। यह समय अत्यंत पवित्र और संवेदनशील माना जाता है। सूतक काल हमेशा ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले लग जाता है. इस बार सूतक काल की शुरुआत रविवावर की दोपहर 12:57 बजे से होगी। सूतक का समापन ग्रहण खत्म होने के बाद यानी 8 सितंबर सुबह 1:26 बजे पर होगा। आचार्य ने बताया धार्मिक परंपराओं के अनुसार सूतक काल के दौरान नियमों का पालन किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल और ग्रहण के दौरान कुछ कार्य निषिद्ध है। मंदिरों में प्रवेश और मूर्ति स्पर्श वर्जित है। भोजन करना, यात्रा करना और नैसर्गिक संबंध वर्जित किया गया है। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण का सीधा दर्शन नहीं करना चाहिए इस समय में मंत्रों का जाप ध्यान और भगवान का स्मरण विशेष फलदायी माना जाता है. ग्रहण खत्म होने के बाद स्नान कर दान-पुण्य करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है।

मकान पर गिरा बिजली का खंभा, छाया अंधेरा

बिजली विभाग की लापरवाही से लोगों में आक्रोश

मुंगेली। नगर पालिका के वार्ड 14 काली माई वार्ड के उपाध्याय मोहल्ले में शुक्रवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां एक पुराना और जर्जर बिजली का खंभा अचानक एक मकान के ऊपर जा गिरा। खंभे से जुड़े तार पूरे मकान पर फैल गए, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि, घटना के समय मकान के बाहर या आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे के बाद मोहल्ले की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप कर दी गई एवं मोहल्ले के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ा। मोहल्लेवासियों ने बताया कि, इस समस्या को लेकर वे पहले भी दो बार लिखित आवेदन देकर विद्युत विभाग का ध्यान

आकर्षित कर चुके हैं, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। परिणामस्वरूप आज यह हादसा हुआ। अब लोग सवाल उठा रहे हैं कि, आखिर उनकी समस्याओं को अनदेखा क्यों किया गया। खंभा गिरने से तार सड़क पर बिछ जाने के कारण मोहल्ले में आवागमन भी प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि, तारों में करंट फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है। इसी वजह से लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वार्डवासियों का कहना है कि विजली विभाग की लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता ने उन्हें संकट में डाल दिया है। मोहल्ले में कई परिवार रहते हैं, और बच्चों व बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर सभी लोग चिंतित हैं। मोहल्ले वासियों ने प्रशासन से विद्युत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के ऊपर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजकीय सम्मान के साथ शांताराम को दी गई अंतिम विदाई

सरगांव। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव सहित सरकार के अन्य मंत्री मदकू द्वीप पहुंचे एवं हरिहर क्षेत्र मदकू द्वीप के विकास के शिल्पी एवं समाजसेवी शांतारामजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। 94 वर्षीय शांताराम का रायपुर में स्वर्गवास हो गया।

- तोखन, साव सहित सरकार के कई मंत्री रहे मौजूद

अंतिम यात्रा में शामिल डिप्टी सीएम, बिल्हा विधायक सहित अन्य।

भारतीय स्टेट बैंक में प्रबंधक के पद पर रहते हुए उन्होंने सु वि धा एं और प्रतिष्ठा का त्याग कर हिंदू समाज के उत्थान हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनने का संकल्प लिया। संघ में रहते हुए वे जिला, विभाग, प्रांत प्रचारक और क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों पर कार्यरत रहे। वर्ष 1990 से शांतारामजी श्री हरिहर क्षेत्र मदकू द्वीप को पुनर्स्थापित एवं विकसित करने का मिशन अपनाया। उनके अथक प्रयासों से यह क्षेत्र धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से पुनर्जीवित हुआ तथा श्रद्धालुओं और शोधकर्ताओं का प्रमुख केंद्र बना। मदकू के साथ ही उन्होंने बैतलपुर की कुष्ठ बस्ती चंदरपुर में शिव मंदिर निर्माण, चिकित्सा सेवाएं और सामाजिक कार्यों के साथ-साथ नवागढ़ के शमी गणेश मंदिर के पुनर्निर्माण में भी योगदान दिया। सेवा और संगठन से ओतप्रोत उनका जीवन अनेक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत रहा। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार शनिवार सुबह 8 से 10 बजे तक उनका पार्थिव शरीर रायपुर स्थित जागृति मंडल में अंतिम दर्शन हेतु रखा गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे श्री हरिहर क्षेत्र मदकू में उनका अंतिम संस्कार किया गया। शांताराम जी का निधन न केवल मदकू द्वीप बल्कि, पूरे समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनकी स्मृतियां और आदर्श भावी पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, टंकराम वर्मा, दयालदास बघेल, खुशवंत गुरु, राजेश अग्रवाल, छग वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर सलीम राज, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, गौरी शंकर अग्रवाल, रमेश बैस, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पांडेय, अखिलेश सोनी, भूपेंद्र सवन्नी, शिवरतन शर्मा, प्रांतीय संघ संचालक टोपलाल, रामरूप दास, प्रहलाद रजक, चंद्रहास चंद्राकर, राम नारायण सिन्हा, प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने का संदेश देती है भागवत कथा: धर्मजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तखतपुर

नगर के टिकरीपारा में ठाकुर परिवार की ओर से राम सदन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने वि धा य क धर्मजीत सिंह पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, आज हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि, हमारे नगर में श्रीमद्भागवत कथा जैसा दिव्य आयोजन हो रहा है। यह केवल धार्मिक कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, सद्भाव फैलाने और जीवन में धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला महोत्सव है। भागवत कथा हमें सिखाती है कि, भगवान श्रीकृष्ण के जीवन आदर्शों को अपने आचरण में उतारें सत्य, करुणा, प्रेम और सेवा को जीवन का आधार बनाएं। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति कथा के संदेश को अपनाए, तो निश्चित ही गांव, नगर और राष्ट्र समृद्ध और सुसंस्कृत बनेगा। उन्होंने कहा कि, मैं

आयोजकों को साधुवाद देता हूं, जिन्होंने इतने सुंदर और प्रेरणादायी आयोजन की व्यवस्था की। साथ ही कथा श्रवण करने आए सभी श्रद्धालु भी बधाई के पात्र हैं, क्योंकि कथा श्रवण से ही जीवन का कल्याण होता है। इस अवसर पर संतोष कौशिक, अमित मंदानी, कैलाश देवांगन, राहुल तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

रैली निकाल कर दी गई प्रदेश की उपलब्धियों की जानकारी

तखतपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शासन के मंशानुरूप दिनांक 5 सितंबर से 12 सितंबर तक रजत जयंती समारोह के आयोजन का निर्देश प्राप्त हुआ था। इसी निर्देश के तहत 6 सितंबर को एनसीसी के कैडेट्स के द्वारा पोस्टर बना कर एवं रैली निकालकर छत्तीसगढ़ सरकार की 25 वर्षों की विभिन्न उपलब्धियां को रेखांकित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद कुमार दुबे एवं वार्ड पार्षद अंकित अग्रवाल ने झंडा दिखाकर रैली की शुरुआत की। एनसीसी कैडेट्स ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न उपलब्धियां का स्लोगन के साथ आसपास के मोहल्ले का भ्रमण किया एवं लोगों को छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया। रैली के पश्चात प्राचार्य एवं वार्ड पार्षद ने कैडेट्स के के पोस्टर सराहना की। इसके बाद दूसरे कार्यक्रम के अंतर्गत

रैली में शामिल बच्चे।

एनएसएस एवं रेडक्रॉस के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय से लगे गोद ग्राम बस्ती के छोटे-छोटे बच्चों को हाथ धुलाकर एवं स्वच्छता के बारे में उन्हें समझा कर जागरूक किया।

करीब 40 बच्चों को हाथ धुलाकर स्वच्छता का ज्ञान दिया गया एवं सभी बच्चों को स्वल्पाहार बांटा गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ विनोद कुमार दुबे, वार्ड पार्षद अंकित अग्रवाल, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एसके पाडे, डॉ मीना शर्मा, डॉ सीमा मनीषा नाथ, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ विपिन अग्रहरि, सिमरन टेकचंदानी, पार्वती पटेल, इंदू कौशल, प्रिया शंकर जैसवाल, डॉ स्वाति पांडे, डॉ अनीता बर्गाह, अंजीत नेताम, संजय देवांगन, अंकुर शुक्ला, दुर्गा गुप्ता आदि ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कुरदर की प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में भेंट की गई पाठ्य सामग्री

बिलासपुर। विगत कई वर्षों से जीवधर्णी फाउंडेशन पिछड़े और वन क्षेत्रों मे शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में बैगा आदिवासी ग्राम कुरदर, बेलगहना में शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुरदर मूलभूत सुविधाओं से दूर पहाड़ी पर अभावग्रस्त क्षेत्र है। विद्यार्थियों की परिस्थिति को देखते हुए शाला में अध्ययन सामग्री जैसे कॉपियां, स्लेट, पेन, पेंसिल आदि समग्री भेंट की गई। विगत वर्ष के परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाने वाले बच्चों को उत्साह वर्धन के लिए मेडल एवं उपहार से सम्मानित भी किया गया। साथ शिक्षकों को भी शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया गया। ग्राम के बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया गया एवं पढ़ाई बीच में ना छोड़ने लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जीवधर्णी फाउंडेशन के अध्यक्ष विकास चंद्र

वर्मा, राजा कौशिक, प्रधान पाठक शत्रुघ्न प्रसाद यादव शिक्षक मनहरण मरावी, चिंतामणि साहू, रामायण पैकरा, रघुनंदन आदित्य, सोहन लाल बैग, रवि रजक आदि सम्मिलित हुए।

आवारा कुत्तों का आतंक, दर्जन भर लोग घायल

कुत्ते के काटने से घायल लोग।

जरहागांव। शहरी क्षेत्र के लावा अब ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ने लगा है।हर गली मोहल्ले में आवारा कुत्ते घूमते नजर आते हैं, नतीजन कई कुत्ते राह चलते लोगों पर हमला कर देते है। इतना ही नहीं घरों में घुस कर खाने पीने का सामान चट करने के साथ काटकर लोगों को घायल भी कर देते है। इसका जीता जागता उदाहरण क्षेत्र के ठकुरीकापा गांव में देखा जा सकता है, जहां बच्चे, बूढ़े व जवान सहित मवेशियों को भी कुत्ते आए दिन अपना शिकार बना रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि, क्षेत्र की 3 वर्ष की बच्ची वंशिका, 15 वर्ष का बालक सागर जायसवाल एवं युवराज सोनकर को कुत्ते ने काट कर घायल कर दिया है। इसी तरह गांव में एक दर्जन भर से ज्यादा लोगों को कुत्ते ने काट लिया है। साथ ही गांव में घूम कर मवेशियों पर भी हमला कर रहे हैं।

पड़ोसियों ने बचाई 3 साल की बच्ची की जान

प्रत्यदर्शियों के अनुसार 3 साल की बच्ची वंशिका गली में खेल रही थी, उसी दौरान कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं कुत्ते बच्ची को खींचकर ले जा रहे था। इस दिल दहला देने वाली घटना को देखकर आसपास की महिलाओं ने डंडे से मारकर कुत्तों को भगाया। इसके बाद दूसरे मोहल्ले में जाकर कुत्तों ने एक लड़के पर हमला कर उसके हाथ को बुरी तरह काट डाला। लड़का किसी तरह जान बचाकर भागा और परिजनों ने उसे अस्पताल ले जाकर इलाज कराया।

सहयोग की अपील

गांव में आवारा कुत्तों को चिन्हांकित कर उन्हें पकड़ने का काम किया जाएगा। जिस मोहल्लों में आवारा कुत्तों का डेरा हो वहां के लोगों से इस संबंध में सूचना देने एवं कुत्तों को पकड़ने में सहयोग करने की अपील की गई है, ताकि आवारा कुत्तों को बाहर छोड़ा जा सके।

- रानी बंटी जायसवाल, सरपंच

एनएसएस ने किया रैली का आयोजन

बिल्हा। अग्रसेन महाविद्यालय बिल्हा में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'रजत जयंती समारोह 2025' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से कार्यक्रम अधिकारी खगेश कुमार के नेतृत्व में भव्य रैली निकाली गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ सावित्री त्रिपाठी ने कहा कि, छत्तीसगढ़ की 25 वर्ष की यात्रा शिक्षा, संस्कृति और विकास के नए आयाम स्थापित करने वाली रही है।उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की, और उन्हें समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। रैली में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एमआर आगर, संजय अग्रवाल, डॉ अतुल कुमार गिरि सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। रैली में भाग लेते हुए स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं ने राज्य की गौरवशाली उपलब्धियों एवं जनजागरूकता से जुड़े नारों का उद्घोष किया। रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को राज्य की प्रगति, सांस्कृतिक धरोहर और जनभागीदारी के महत्व से अवगत कराना रहा।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल मोपका तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
सूचना

क्रमांक/ / सीमांकन/रा.नि./2025 बिलासपुर दिनांक 18/08/2025

प्रति, 1. आवेदक रणजीत बोस पिता शिवरतन बोस आवेदक के बताए अनुसार समीपस्थ भूमि स्वामी 2. दीपिका सा. मोपका 3. सरोज केडिया पति राज कुमार केडिया सा. मोपका/ विद्यानगर बिलासपुर 4. रतन केडिया पिता बजरंग केडिया सा. मोपका/ विद्यानगर बिलासपुर 5. अनुप बोस सा. मोपका एवं अन्य सभी हितबद्ध पक्षकार।

विषय:- सीमांकन में उपस्थिति बाबत।

संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार/ तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्रमांक Q/ तह./ ना.तह./ वा. 2024 बिलासपुर, दिनांक 13/06/2025

ग्राम मोपका प.ह.न. 29 रा.नि.मं. मोपका तहसील व जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नं. 993/7/ड रकबा 0.40 एकड़ हेक्टेयर के सीमांकन हेतु आवेदक रणजीत बोस निवासी टिकरापारा के द्वारा छ.ग. भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 129 के प्रावधानों के तहत न्यायालय तहसीलदार/तहसीलदार बिलासपुर को आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

संदर्भित न्यायालयीन आदेश के परिपालन में उपरोक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 09/09/2025 को समय 10:00 से 5.00 बजे के बीच में किया जाना है। आप उक्त नियत तिथि में अपनी भूमि संबंधित दस्तावेज के साथ मौके पर उपस्थित होवें एवं उक्त समय पश्चात की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

राजस्व निरीक्षक
मोपका बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार बालाराम यादव पिता दशरथ यादव निवासी ग्राम घोंघाडीह तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. के आर से अधिकृत होकर उनके निर्देशानुसार निम्नाशय की सूचना प्रकाशित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के आधिपत्य की भूमि मौजा घोंघाडीह प. ह.नं. 22 रा.नि.म. गनियारी तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग स्थित भूमि ख.नं. 379 रकबा 0.06ए. 0.0240हे. भूमि मिसल में रामाधार कुर्मी, अधिकार अभिलेख में रामाधार पिता हीरा, मेघई बेवा हीरा दर्ज है। उपरोक्त भूमि पर मेरे पक्षकार के दादा स्व. बोडर लगभग 70 वर्ष पूर्व काबिज थे। मेरे पक्षकार के दादा के मृत्यु पश्चात विरासतन हक से मेरे पक्षकार के पिता स्व. दशरथ काबिज थे। मेरे पक्षकार के पिता स्व. दशरथ के मृत्यु पश्चात मेरे पक्षकार शांतिपूर्वक काबिज है। ख.नं. 379 रकबा 0.06ए. 0.0240हे. भूमि अधिकार अभिलेख में रामाधार पिता हीरा, मेघई बेवा हीरा दर्ज है। अधिकार अभिलेख में त्रुटिवश शीश से सत् लेख है। जिसका नाजायज लाभ उठाते हुए विजय कुमार पिता रामाधार, सावित्रीबाई पति रामाधार निवासी ग्राम घोघाडीह तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग वालो ने राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज करा लिया गया है। विजय कुमार पिता रामाधार, सावित्रीबाई पति रामाधार सतनामी जाति के है जो कि वर्ग अनुसूचित जाति है। विजय कुमार वगैरह उपरोक्त भूमि को आपस में बंटवारा कर लिया गया है। ख.नं. 379/1 रकबा 0.0200हे. सावित्रीबाई पति रामाधार, ख.न. 379/2 रकबा 0.0040 हे. विजय कुमार पिता रामाधार के नाम पर दर्ज है। उपरोक्त भूमि पर विजय कुमार वगैरह और उनके पूर्वजों कभी भी काबिज नही रहे। विजय कुमार वगैरह के पिता/पति रामाधार जाति सतनामी है। रामाधार पिता हीरा कुर्मी जाति है। विजय कुमार वगैरह के पिता/पति रामाधार नाम होने का नाजायज लाभ उठाकर रामाधार कुर्मी के नाम पर दर्ज उपरोक्त भूमि को दर्ज करा कर विजय कुमार वगैरह बिक्री करने हेतु तत्पर है। उपरोक्त भूमि को विजय कुमार वगैरह से खरीदी की जाती है तो वह अवैध माना जावेगा।

सो जूचना जाने।

दिनांक 08/09/2025

भवदीय
अमित निर्मलकर (अधिवक्ता)
निवास/कार्यालय- मेन्ड्रा, सकरी
जिला बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं. 8305557359 9131569519

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

बिलासपुर। मवेशी को बचाने के फेर में पेड़ से टकराकर घायल कार सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई है। हादसे में पहले ही उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। ज्ञात हो कि 4 सितंबर को लोरमी घाठोली निवासी रमेश तिवारी 70 साल, अपनी पत्नी विद्या तिवारी 65 साल, मंजुला तिवारी, सम्यक तिवारी के साथ कार क्रमांक सीजी 28, 3354 से बिलासपुर आ रहे थे। सुबह 11 बजे भरनी सीआरपीएफ कैम्प के पहले अचानक सामने मवेशी आ जाने से उसे बचाने के लिए उन्होंने कार किनारे की तो अनियंत्रित होकर कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई थी। हादसे में पति पत्नी सहित चारों लोग घायल हो गए। पुलिस चारों को कार से बाहर निकालकर संजीवनी हास्पिटल भेजा गया। जहां डाक्टर ने परिक्षण के बाद श्रीमती विद्या तिवारी को मृत घोषित कर दिया था। गंभीर रूप से घायल रमेश तिवारी को इलाज के लिए अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। 6 सितंबर की दोपहर में उनकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई है।

5 महिलाएं, 2 युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। रात के अंधेरे में सकरी नेशनल हाइवे में टार्च की रोशनी दिखाकर अनैतिक काम करने वाली 5 महिलाएओं व दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सकरी टीआई को सूचना मिली रात में नेशनल हाइवे में कुछ महिलाएं घूमती रहती हैं और गाड़ी आने पर टार्च की रोशनी दिखाकर गाड़ी को रोककर अनैतिक कार्य करती हैं। टीआई प्रदीप आर्या ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार की रात नेशनल हाइवे में दबिश देकर संदिग्ध रूप से घूम रहे 5 महिलाओं व 2 युवक को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर संतोष जनक जवाब नहीं दे पाए। बताया जाता है पकड़ी गई महिलाएं घूरू क्षेत्र की रहने वाली है और दोनों युवक आटो वाले है। पुलिस ने महिलाओं व युवकों को प्रतिबंधात्क कार्रवाई के तहत कार्रवाई की है। इसके अलावा रात में संदिग्ध रूप से घूमते मिलने पर 4 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 128 के तहत कार्रवाई की गई है।

जमीन के शासकीय बाजार मूल्य का मामला

सर्वे अनुसार गाइड लाइन दरों में बहुत ज्यादा हो रही थी वृद्धि

सर्वे रिपोर्ट रिफ्यूज, अब नए सिरे से गाइड लाइन तैयार करने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

पंजीयन विभाग द्वारा पांच साल बाद जमीन के नए शासकीय बाजार मूल्य निर्धारण के लिए सर्वे कराया गया था और सर्वे रिपोर्ट भी तैयार हो गई थी, लेकिन सर्वे अनुसार जमीन की बाजार मूल्य में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हो रही थी, इसलिए सर्वे रिपोर्ट को रिफ्यूज कर दिया गया है और अब नए सिरे से नई गाडल लाइन तैयार करने कवायद शुरू हो गई है।

पंजीयन विभाग अंतर्गत सभी जिलों में नए सिरे से जमीन की शासकीय बाजार मूल्य निर्धारण के लिए कवायद चल रही है, इसलिए यह गाइड लाइन तैयार होने में अभी कुछ माह का समय और लग सकता है। विभाग की ओर से अब जो निर्देश दिए गए हैं, उसके अनुसार जमीन के बाजार मूल्यों में जहां-जहां बहुत ज्यादा या एकदम से कम बाजार मूल्य है उस असमानता को दूर करते हुए नए बाजार मूल्य निर्धारण करने कहा गया है। पूर्व में पंजीयन विभाग ने जो निर्देश दिए थे, उसके तहत भूमि के नई गाइड लाइन दर चार कालम के भीतर प्रस्तावित करने कहा गया था। इसमें हेक्टेयर एवं वर्ग मीटर में अचल संपत्ति मुख्य मार्ग पर स्थित, मुख्य मार्ग से अंदर है, उसको ध्यान में रखकर प्रस्ताव तैयार करना था। इसके अनुसार पंजीयन कार्यालय की ओर से किन-किन जगहों पर डेवलपमेंट हो रहा है और कहां-कहां जमीन की कीमतों में वृद्धि किया जाना है, इसका सर्वे कराया गया। इसके लिए राजस्व विभाग से तहसीलदार, पटवारियों से जानकारी मंगाई गई थी। इसके अलावा टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, नगर निगम सहित पीडब्लूडी, प्रधानमंत्री सड़क योजना से भी यह जानकारी मंगाई गई थी कि उनका किस-किस जगह पर प्रोजेक्ट चल रहा या आने वाला है, उसके अनुसार वहां के जमीन की गाइड लाइन दर तय करना था। इस सर्वे के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर पंजीयन विभाग को भेजा गया था, किन्तु सर्वे रिपोर्ट को रिफ्यूज कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि सर्वे के आधार पर बहुत ज्यादा बाजार दरों में वृद्धि हो रही थी। इसलिए अब सर्वे रिपोर्ट को किनारे कर नए सिरे से गाइड लाइन तैयार करने कवायद चल रही है।

वर्ष 2017 के बाद से नहीं हुई वृद्धि

जमीन की गाइड लाइन दर से कीमत बढ़ेगी या नहीं इसे लेकर बिल्डरों से लेकर कालोनाइजरों में और जमीन के कारोबारियों में उत्सुकता बनी हुई है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2017 के बाद से गाइड लाइन दर में वृद्धि नहीं हुई है। पिछली सरकार ने गाइड लाइन दर में 30 प्रतिशत की छूट दी थी, जिससे बिल्डर, भूमाफिया और रियल इस्टेट से जुड़े लोगों को बड़ा फायदा हुआ। हालांकि यह 30 प्रतिशत छूट अब समाप्त कर दी गई है। शासन द्वारा इस बार नई गाडल लाइन तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिसके बाद इस दिशा में काम चल रहा है।

सिंचित भूमि से कम होनी थी असिंचित की दर

अचल संपत्ति का बाजार मूल्य गाइड लाइन दरों का निर्धारण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखने कहा गया था कि कृषि भूमि केवल सिंचित भूमि की दर निर्धारित की जाए एवं असिंचित भूमि की दर सिंचित भूमि से 10 प्रतिशत कम किया जाए। गाइड लाइन तैयार करते समय समूचे नगर या ग्राम को एक समष्टि मानकर स्थानों, बसाहटों का सैद्धांतिक मूल्य सापेक्ष वर्गीकरण किया जाएगा। वर्गीकरण के दर निर्धारित करने और इन दरों को सैद्धांतिक वर्गीकरण के आधार पर समतुल्य कंडिकाओं में प्रतिस्थापित करने कहा गया था।

सर्वे में इसका भी रखा गया ध्यान

विभाग के निर्देश के अनुसार किसी रिहायशी कालोनी या मुहल्ले में 40 फीट से अधिक चौड़ाई की सड़क मुख्य मार्ग मानने कहा गया था। इसके अलावा इससे कम चौड़ाई की सड़क जो दो इलाकों को जोड़ने वाली परंपरागत सड़क के रूप में प्रयुक्त होती हो, उसे भी मुख्य मार्ग मानना था। रोड से लगकर स्थित व्यवसायिक काम्पलेक्स या आवासीय काम्पलेक्स के लिए केवल रोड का ही दर प्रस्तावित करना था।

एसीसीयू टीम ने की कार्रवाई

कोनी में प्रतिबंधित कफ सिरप खपाने आए एमपी के चार तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

एसीसीयू टीम ने एजुकेशन हब कोनी एरिया में प्रतिबंधित कफ सिरप खपाने आए एमपी के 4 तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से 320 नग कफ सिरप बरामद किया गया है। कोनी पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीसीयू टीम को सूचना मिली कि एमपी से चार युवक भारी मात्रा प्रतिबंधित नशे का कफ सिरप लेकर कोनी में खपाने के लिए आए और बिलासाताल के पास पल्सर क्रमांक एमपी 18 जेडई,8110 के पास खड़े हैं और लाल काला ग्रे रंग का पिट्ठू बैग रखे हुए हैं। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर एडीशनल एसपी अनुज कुमार के नेतृत्व में टीआई अजहरउद्दीन, रवि यादव, महादेव कुजूर एवं अन्य ने बिलासाताल के पास घेराबंदी करते हुए चारों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर चारों गोलमोल जवाब देने लगे। बैग की तलाशी लेने पर 320 नग प्रतिबंधित कफ सिरप मिला। कड़ाई बरतने पर चारों युवकों ने एमपी से प्रतिबंधित कफ सिरप लाकर कोनी क्षेत्र में बेचने आना स्वीकार किया है। टीम ने चारों युवकों को पकड़कर कार्रवाई के लिए कोनी पुलिस के हवाले कर दिया। कोनी पुलिस ने धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कफ सिरप, बाइक, चार मोबाइल जब्त कर युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपियों से जब्त सिरप।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पकड़े गए आरोपी

- आशु महतो पिता महेन्द्र महतो 28 साल धनपुरी दफाई अमलाई शहडोल
- साहिल दाहिया पिता सदन दाहिया 19 साल धनपुरी रेलवे कालोनी अमलाई शहडोल
- अंकित चौहान पिता रविशंकर चौहान 23 साल धनपुरी अमलाई शहडोल
- सुनील शर्मा पिता हरिराम शर्मा 27 साल धनपुरी अमलाई शहडोल

फल फूल रहा नशे का कारोबार

कोनी क्षेत्र एजुकेशन एरिया हब बन गया है। सेंट्रल यूनिर्वसिटी सहित कई बड़े बड़े कालेज संचालित हो रहे हैं। स्थानीय व बाहरी प्रदेश के लाखों छात्र छात्र क्षेत्र के किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंधित नशे का दवा का गोरखधंधा फलना फूलना छात्र छात्राओं के भविष्य को खतरे में डालने के सामान है। एसीसीयू की कार्रवाई ने कोनी पुलिस के सक्रियता की पोल खोलकर रख दिया है।

धरी की धरी रह गई होशियारी

कोनी एरिया में प्रतिबंधित कफ सिरप खपाने के लिए तस्करों ने योजना बनाकर शहर आए थे। पुलिस की आंख में धूल झोंकने एमपी से प्रतिबंधित दवा लेकर दो युवक ट्रेन के माध्यम से शहर आए और दो लोग बाइक से कोनी आए थे। रेलवे स्टेशन में उतरने के बाद दोनों युवक कोनी अपने साथियों के पास गए और ग्राहक के आने का इंतजार करते खड़े थे, किन्तु उनकी होशियारी धरी की धरी रह गई और चारों सलाखों के पीछे पहुंच गए।

सभा स्थल का निरीक्षण करते कांग्रेस नेता।

पायलट की सभा 9 को

मुंगेली नाका में चल रही सभा की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी तथा राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट की 9 सितंबर को सभा होने जा रही है।

सभा की तैयारी को लेकर नेता प्रतिपक्ष के दिशानिर्देश पर जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडे विजय केशरवानी, विधायक अटल श्रीवास्तव, पूर्व विधायक शैलेश पांडे, सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद नायक, आशीष सिंह ठाकुर सहित कांग्रेस के नेता तथा संगठन पदाधिकारी मुंगेली नाका चौक में सभा की तैयारी का जायजा लिया। इसमें बैठक व्यवस्था, बैरिकेट्स तथा पार्किंग को लेकर निरीक्षण किया। पूर्व विधायक श्री पांडे ने बताया कि 9 सितंबर को कांग्रेस का बड़ा आंदोलन वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान बिलासपुर में होने जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस आंदोलन की शुरुआत बिहार से की है। छत्तीसगढ़ में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की सभा होने जा रही है, जिसमें पूरे बिलासपुर संभाग से 25000 से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

- 25 हजार कार्यकर्ता होंगे शामिल

पिछले लोकसभा चुनाव में 400 पार का मतलब था संविधान को भाजपा के अनुकूल बनाना। राहुल गांधी ने पूरे देश के कार्यकर्ताओं से कहा कहा डरो मत मुकाबला करो, वोट चोर गद्दी छोड़ जिसका दूरगामी परिणाम दिखेगा। श्री पांडे ने कहा कि बिहार में होने वाले चुनाव में देश को पता चल जाएगा कि वोटो की चोरी करने बिहार में 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है। बिहार में भाजपा गठबंधन की सरकार नहीं बनेगी।

इस सभा को सफल बनाने के लिए सभी जिले के संगठन पदाधिकारी विधायक पूर्व विधायकों को कांग्रेस ने जिम्मेदारी दी है। मुगेली नाका मैदान में सभा के लिए बड़ा मंच तैयार किया जा रहा है। आज कांग्रेस के नेताओं ने पार्किंग स्थल का भी देखा है। सभा स्थल में कार्यकर्ताओं की बैठक व्यवस्था तथा पानी एवं अन्य सुविधा को लेकर चर्चा की है। पूर्व महापौर रामशरण यादव, शेख नजीरुद्दीन, समीर अहमद, बाटु सिंह के अलावा काफी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

दो एजेंसी के बाद भी नहीं मिली एयरपोर्ट की फिजिबिलिटी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट को उन्नत कर 4सी केटेगरी का एयरपोर्ट बनाने फिजिबिलिटी रिपोर्ट की आवश्यकता है। सरकार ने 2 एजेंसी को ठेका सौंप दिया है, लेकिन अबतक रिपोर्ट गायब है। खास बात यह है कि हाईकोर्ट में दिए जवाब में मुख्य सचिव ने 3 हफ्ते में रिपोर्ट देने की बात कही थी, लेकिन यह समय भी पूरा हो चुका है।

- मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में कहा था 3 हफ्ते आएगी

दरअसल मई में बोरकर और मजूमदार कंपनी को 4सी एयरपोर्ट बनाने इकोनामिक फीजिबिलिटी रिपोर्ट बनाने का ठेका दिया गया है, इसके लिए 1 लाख रूपए का भुगतान कर दिया गया है। दोनों कंपनियों ने कार्यालय खोला लेकिन रिपोर्ट अबतक नहीं बनाई है।जबकि अधिकारियों ने हाईकोर्ट में झुठा कथन कह दिया है। तीन हफ्ते में आने वाली रिपोर्ट महीनों बाद भी नहीं मिली है। हवाई संघर्ष समिति ने कहा कि यह रिपोर्ट भी फर्जी रिपोर्ट साबित होगी। आशंका व्यक्त करते हुए सदस्यों ने कहा कि बिलासपुर में 4सी एयरपोर्ट नहीं बन सके इसलिए साजिश की जा रही है।

गौर करने वाली बात यह है कि टेक्निकल फीजिबिलिटी रिपोर्ट में चकरभाठा स्थित एयरपोर्ट को उपयुक्त पाया गया है। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महाधरने में रवि बनर्जी संतोष पीपलवा, देवेंद्र सिंह ठाकुर, महेश दुबे टाटा, प्रकाश बहरानी, साबर अली प्रतीक तिवारी, शिरीष कश्यप, मोहसिन अली, और सुदीप श्रीवास्तव शामिल रहे।

लापता रिटायर्ड एसआई के बेटे की टैंक में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

लापता रिटायर्ड एसआई के बेटे की उसलापुर रेलवे कालोनी में पानी के टैंक में लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतक की जेब से गांजा पीने का स्टील का चिलम व लाल कपड़ा मिला है। बहरहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सिविल लाइन थाना के प्रधान आरक्षक हरप्रसाद डहरिया ने बताया, मंगला महर्षि रोड निवासी रिटायर्ड एसआई बृजबली तिवारी का बेटा सतीश तिवारी 42 साल उसलापुर रेलवे स्टेशन में ठेकेदार के पास रोजी मजदूरी करता था। 4 सितंबर को उसकी दोपहर 2 से रात 10 बजे तक ड्यूटी थी। रात में रिलीवर नहीं आने पर वह घर से खाना खाकर फिर से ड्यूटी में उसलासपुर स्टेशन आ गया था। 5 सितंबर को वह घर नहीं लौटा तब परिजन ने उसलापुर स्टेशन में जाकर पतासाजी की। नहीं मिलने पर उन्होंने सिविल लाइन थाने में उसके लापता होने की रिपोर्ट लिखाई थी। 6 सितंबर को उसलापुर रेलवे स्टेशन कालोनी के पानी टैंक में वहां काम करने वाले मजदूरों ने सतीश तिवारी की लाश देखे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। फोरेंसिक टीम के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। लाश बाहर निकालकर तलाशी ली तो जेब से गांजा पीने वाला स्टीम का चीलम व लाल कपड़ा मिला है। बताया जाता है मृतक गांजा पीने का आदि था। बहरहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

टैंक से लाश निकालती पुलिस, इनसेट में मृतक।

दिनदहाड़े शिक्षक से पता पूछने के बहाने 50 हजार की उठाईगीरी

बिलासपुर। दिनदहाड़े बाइक सवार दो युवक शिक्षक को पता पूछने के बहाने रोककर डिक्की से 50 हजार रुपए चोरी कर भाग गए है। पुलिस चोरों की पतासाजी में जुट गई है।

रतनपुर टीआई संजय सिंह राजपूत ने बताया, भरारी निवासी रामनारायण ताम्रकार गोंदईया स्कूल में शिक्षक हैं। शनिवार को लखराम बैंक से 50 हजार रुपए निकालकर बाइक की डिक्की में रखकर गांव लौट रहे थे। शाम 4.30 बजे रास्ते में बाइक सवार दो युवक आए और उन्हें रोककर सरवन देवरी का रास्ता पूछने लगे। शिक्षक एक युवक को रास्ता बता रहे थे, इसी दौरान एक युवक ने उनके बाइक की डिक्की से 50 हजार रुपए निकाल लिया। शिक्षक ने घर जाकर डिक्की खोलकर देखे तो पैसा चोरी हो गया था। श्री ताम्रकार रतनपुर थाने जाकर उठाईगीरी की सूचना दी। पुलिस मौके का मुआयना कर चोरों की पतासाजी में जुट गई है। संभावना जताई जा रही है कि दोनों युवक बैंक में तैनात थे और उन्हें पैसा निकालकर डिक्की में रखते देखकर पीछा करते हुए और सुनसान जगह में उन्हें रोककर उठाईगीरी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

तिथि बढ़ने के बाद भी कालेजों में 1606 स्टूडेंट्स ने लिया प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रहित में कालेजों में प्रवेश की तिथि सप्ताहभर के लिए बढ़ाई गई थी। तिथि बढ़ने के बाद अटल यूनिवर्सिटी से संबद्ध कालेजों में लगभग 1606 छात्र-छात्राओं ने और प्रवेश लिया है। इसमें यूजी पाठयक्रमों में 1048 और पीजी पाठयक्रमों में 726 छात्र-छात्राएं बढ़ गए हैं।

- यूजी में 1048 व पीजी में 726 स्टूडेंट्स बढ़े

यूनिवर्सिटी, कालेजों में प्रवेश 14 अगस्त के बाद प्रवेश देना बंद कर दिया गया था और कई छात्र-छात्राएं जो किन्हीं कारणों से प्रवेश नहीं ले पाएं थे वे एडमिशन पाने भटक रहे थे। छात्र संगठनों की ओर से भी प्रवेश की तिथि बढ़ाए जाने की मांग उठ रही है। अटल यूनिवर्सिटी की ओर से भी प्रवेश की तिथि बढ़ाए जाने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखा गया था, क्योंकि शासन के प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत तहत 31 जुलाई तक प्रवेश दिया गया, उसके बाद कुलपति के अनुमति से कालेजों के प्राचार्यों द्वारा खाली सीटों पर 14 अगस्त तक प्रवेश दिया गया। दूसरी तरफ किन्हीं कारणों कारणों से प्रवेश से वंचित रह गए छात्र-छात्राएं यूनिवर्सिटी, कालेजों में प्रवेश लेने चक्कर लगा रहे थे। इसलिए छात्रहित को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों में रिक्त सीटों पर प्रवेश की तिथि 5 सितंबर तक बढ़ा दिया था। इससे कालेजों में प्रवेश के लिए सप्ताहभर का और समय मिल गया था।

प्रवेश की तिथि बढ़ने के बाद अटल यूनिवर्सिटी से संबद्ध कालेजों में यूजी-पीजी दोनों ही पाठयक्रमों को मिलाकर लगभग 1606 छात्र-छात्राओं ने और प्रवेश लिया है। इसमें यूजी पाठयक्रम फर्स्ट ईयर में 1048 और पीजी पाठयक्रमों में 726 छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ गई है। प्रवेश की तिथि 5 सितंबर को समाप्त हो गई है, किन्तु अभी भी काफी सीटें रिक्त हैं, इसलिए प्रवेश की तिथि कुछ दिनों के लिए और बढ़ाए जाने की मांग उठ रही है।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
07752-401052, 8770748558
9754160620, 9691735152

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO ज़ेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मढ़रिया MBBS,MS नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको सर्जन

डॉ. एश्वर्य मढ़रिया MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 9,100/-
सुनहरा अवसर

रायपुर, उसलापुर, शहडोल से होकर
स्पेशल ट्रेन
04 नवंबर से 10 नवंबर 2025, 13 फरवरी से 19 फरवरी 2026 (7 दिन)
द्वारकाधीश धाम यात्रा
श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकाभेट, श्री सोमनाथ,
श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)
ऑफर राशि : स्लीपर 9,100/-, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 21,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36 Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road
संपर्क करें:-73544-11411

खबर संक्षेप

वैष्णव समाज का प्रदेश अध्यक्ष बनने पर लता रानी का सम्मान

लोरमी। वैष्णव समाज की नवीन कार्यकारिणी में नगर की निवासी लता रानी वैष्णव को महिला वैष्णव समाज का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर क्षेत्र के वैष्णव समाज और महिला कांग्रेस ने लतारानी का फूल-मालाओं से स्वागत कर सम्मान किया। आयोजन में वैष्णव समाज के राधिका वैष्णव, पद्मिनी वैष्णव, किशोरी वैष्णव, मंदिरा दास, सुग्गा दास, बाल गोविंद वैष्णव, शशिकला वैष्णव, आकाश वैष्णव, पार्षद शशांक वैष्णव एवं प्रदेश कांग्रेस महिला उपाध्यक्ष मायारानी सिंह, केशर पाठक, हेमिन मंगेशकर, श्रद्धा पाठक, सविता पाठक, स्मृति पाठक, बिंदु यादव, मीना मानिकपुरी, प्रिया जायसवाल आदि मौजूद रहे।

बरेला में मनाया गया जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी

जरहागांव। मुस्लिम जमात बरेला ने पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाई एवं उनके आदर्शों को याद कर समाज एवं नगर मे अमन शान्ति की दुआ मांगी। इस मौके पर मुख्य रूप से बरेला नगर पंचायत के उपाध्यक्ष शेख जैनुल, मुस्लिम जमात बरेला के अध्यक्ष हनीफ अहमद, हाजी कय्यूम अंसारी, नट्टू जायशी, जावेद जायशी, नवाज अहमद, शेख हसन, शेख कादर, शेख वसीम, शेख हनीफ बबला, शेख अनवर शेख रज्जाक, शेख साजिद, शेख यासीन, शेख इजराईल एवं बड़ी संख्या मे नगर के मुस्लिम युवा शामिल रहे।

बिना आमंत्रण मायके नहीं जाना चाहिएः पं पंकज

बेलतरा। ग्राम उरतुम में पंडित राघव वल्लभ गौरहा की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। दूसरे की कथा में व्यास पीठ पंडित पंकज भूषण मिश्रा ने भगवान शंकर एवं सती की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि, विवाह के बाद बेटी को बिना बुलाए कभी मायके नहीं जाना चाहिए। माता सती को भी इसी कारण अग्नि स्नान करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि, माता सती, भगवान शिव की पहली पत्नी थीं, जो प्रजापति दक्ष की पुत्री थीं और देवी भगवती का अंश थीं। सती ने अपने पिता दक्ष द्वारा शिव के अपमान के बाद यज्ञ में कूदकर आत्मदाह कर लिया, जिसके बाद शिव ने उनके शरीर को लेकर क्रोध में तांडव करना शुरू कर दिया। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के 51 टुकड़े कर दिए, जो 51 शक्तिपीठ कहलाते हैं और ये स्थान आज पवित्र माने जाते हैं। भागवत कथा श्रवण करने जगदीश मिश्रा, भरत मिश्रा, सनत शुक्ला, अंजू गौरहा, सुनील गौरहा, भरत काछी, भरत यादव आदि उपस्थित रहे। मुख्य यजमान वीणा-भूपेंद्र गौरहा, विभा जितेंद्र गौरहा ने भी कथा का रसपान किया।

मस्तूरी व भदौरा में क्षत्रिय राठौर समाज की कार्यकारिणी का गठन

मस्तूरी। क्षत्रिय राठौर समाज कल्याण समिति बिलासपुर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समाज को संगठित करने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का गठन किया गया है। ग्राम भदौरा और मस्तूरी में सामाजिक कार्यकरणीय समिति का गठन जिला अध्यक्ष हरिशंकर राठौर, उपाध्यक्ष ई नवनीत सिंह राठौर, कोषाध्यक्ष द्वारिका राठौर, सहकोषाध्यक्ष राजकिशोर सिंह राठौर, सहसचिव राकेश सिंह राठौर, संरक्षक रामसागर राठौर द्वारा मस्तूरी और भदौरा में सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें मस्तूरी में अध्यक्ष रामगोपाल राठौर, उपाध्यक्ष किशोर राठौर, कोषाध्यक्ष राम किशुन राठौर, सचिव नागेंद्र राठौर सहकोषाध्यक्ष अमित राठौर, सहसचिव गजानंद राठौर बनाए गए। ग्राम भदौरा में अध्यक्ष देवलाल राठौर, उपाध्यक्ष बैजनाथ राठौर, सचिव सौरभ राठौर, सहसचिव उमाशंकर राठौर, कोषाध्यक्ष सहदेव राठौर, सहकोषाध्यक्ष बूंद राम राठौर बनाए गए। उक्त कार्यक्रम में चितरंजन राठौर, धनंजय राठौर, धर्मेंद्र राठौर, नारायण राठौर सहित सामाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

नदी, तालाबों में रही श्रद्धालुओं की भीड़, बाजे गाजे के साथ दी विदाई

हवन-पूजन कर विसर्जित की गईं भगवान गणेश की प्रतिमाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगेली

ग्यारह दिनों के बाद अनंत चतुर्थदशी के दिन गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर प्रारंभ हुआ। नगर में गणेश उत्सव की धूम रही। गणेश समितियां दस दिनों की पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धापूर्वक हवन-पूजन कर घरों एवं प्रतिष्ठानों में विराजित गणेश भगवान की प्रतिमाओं का विसर्जन करते रहे। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर पंडालो एवं घरो में विराजमान हुए गणपति बप्पा का पूजा अर्चना के बाद हवन-पूजन किया गया और पूरे भक्ति भाव के साथ 11वें दिन प्रतिमा को विसर्जित किया गया।

सुबह से ही नदियो में गणपति बप्पा के जयकारों के साथ ही लोगों का तांता देखा गया। लोगो ने पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ बप्पा को अगले साल फिर आने का न्योता दिया और उन्हें विदाई दी। इस दौरान बच्चों में बहुत उत्साह दिखा, साथ ही उनसे बिछड़ने का गम भी था। ग्राम निरजाम में पारंपरिक रूप से गजानन स्वामी की विदाई की। ग्राम की सभी झाकियां शिव मंदिर चौक में इकट्ठा हुईं एवं शिव मंदिर चौक से गजानन स्वामी की भजन गाते हुए झाकियां कुंआपार, स्कूलपारा होते हुए खुरपाट चौक पहुंची। वहां सामाजिक कार्यकर्ताओं ने गजानन स्वामी के सभी भक्तों को नींबू पानी पिलाया।

भक्तजन भगवान की भक्ति में मृदंग की धुन में झूमते हुए ठाकुरदेव चौक, महावीर चौक, दहियानपारा होते हुए डबरी तालाब पहुंचे। जगह–जगह माता बहनों ने श्रीफल चढ़ाकर झांकी की आरती की। झाकियों का डबरीतालाब में सामूहिक आरती कर विसर्जन किया गया। इस अवसर में गोवर्धन साहू, अमरचंद साहू, जितेंद्र साहू, उग्रराज साहू, केदार साहू, कौशल साहू, छोटेलाल निषाद, हरदेव साहू, अश्वनी साहू, हेतराम साहू, जेठूराम, फागुलाल, रोशन, देवलाल, विजय, अजीत, रवि साहू, अजय, नितेश, मुकेश मानिकपुरी, दिनेश साहू, हेमलाल, सुखनंदन साहू,राजू, सभी गणेश उत्सव समिति के सदस्यगण व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नदी में गणेश प्रतिमा का विसर्जन करते श्रद्धालु।

बाजे-गाजे के साथ हुआ गजानन की प्रतिमा का विसर्जन

तखतपुर। बाजे-गाजे के साथ आज भगवान गजानन की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। नगर से पूरे क्षेत्र में विराजित भगवान गजानन की मूर्तियों को सनिवार के पूजा-अर्चना के पश्चात विसर्जन किया गया। भगवान का विसर्जन नदी तालाब तथा आसपास के डेम में किया गया। भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों को वाहनों में सजाकर ढोल बाजे के साथ गणपति बप्पा मोरिया का जयकारा लगाते हुए विसर्जन करने पहुंचे। गणेश चतुर्थी के दिन स्थापित भगवान गजानन की मूर्ति को अनंत चतुर्दशी के दिन विसर्जित किया गया। जगह-जगह पंडालों में भजन-कीर्तन तथा अन्य धार्मिक आयोजनों का आयोजन होता रहा। पितृ पक्ष के पूर्व भगवान गजानंद का विसर्जन करने की परंपरा है, उसके तहत विसर्जन किया गया।

गणपति विसर्जन झांकी देखने उमड़ी हजारों की भीड़

पथरिया। नगर में बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने से पहले झांकी निकाली गई। इसमें 10 के करीब झांकियां शामिल थीं। इन भव्य झांकियों को देखने के लिए क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों व गावों से भी लोग जुटे। नगर के विभिन्न वार्डों से निकलर झाकियां खेल मैदान पहुंचीं एवं बस स्टैंड होते हुए नगर भ्रमण किया। इसके बाद प्रशासन द्वारा चिन्हित तालाबों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। झांकी दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटी रही।

शोभायात्रा निकाल कर किया गया विसर्जन

पेंड्रा। पेंड्रा के मध्यनगरी बजरंग चौक गणेशोत्सव समिति की ओर से गणेशोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। दशकों से कला एवं संस्कृति का केंद्र रहा बजरंग चौक पिछले 38 वर्षों से लगातार गणेशोत्सव की भव्य परंपरा को संजोए हुए है। पिछले वर्ष समिति के अनुशासित और सफल आयोजन की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक ने समिति को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया था। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार पंडाल में भगवान गणेश की विशेष सिंहासन मूर्ति स्थापित की गई थी। श्रद्धालुओं को आकर्षित करने और जागरूक करने के उद्देश्य से पंडाल परिसर में भगवान गणेश से संबंधित कई रोचक जानकारियां भी प्रस्तुत की गई थीं। गणेशोत्सव के दौरान विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें 56 भोग, महाआरती, भव्य जगराता तथा विशाल भंडारे का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उत्सव के अंतिम चरण में भव्य भक्तिमय शोभायात्रा निकाल कर भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कि, यह शोभायात्रा नगर की प्रमुख सड़कों से होकर गुजरी, जिसमें आकर्षक झांकियों, भक्ति संगीत और नृत्य-कलाओं का विशेष प्रदर्शन था। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि, बजरंग चौक का गणेशोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहता है, बल्कि वर्षों से यह नगर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन की शुरुआत

दगोरी। ग्यारह दिनों तक गजानन महाराज की पूजा-आराधना के पश्चात विसर्जन प्रारंभ हो गया है। शनिवार को क्षेत्र की कुछ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन गाजे-बाजे के साथ नम आंखों से किया गया। इस दौरान महिलाएं व बच्चे सहित सभी वर्ग के लोग उत्साह के साथ प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम में शामिल हुए।

अगले साल मिलने का वादा कर दी गई बप्पा को विदाई

सरगांव। नगर एवं क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति के साथ विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमाओं का हवन-पूजन कर शनिवार को विसर्जन किया गया। क्षेत्र में घर-घर, गली-गली, चौक-चौराहे सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भगवान विघ्नहर्ता की स्थापना की गई थी। दस दिनों तक पूजा कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विदाई का दृश्य अत्यंत भावुक रहा, इस पर्व ने समाज में एकता, सहयोग, भक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों की भावना को और मजबूत किया है। विसर्जन यात्रा में महामाया विकास समिति अध्यक्ष शिव पाण्डेय ने कहा कि, गणेश उत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सामूहिकता और सकारात्मक ऊर्जा का एक उदाहरण है। सभी ने भगवान को गले लगाया और अगली बार भव्य रूप में मिलने का वादा किया।

शिक्षक दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

लोरमी। ग्राम बंधवा में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधा कृष्णन की 137वीं जयंती को शिक्षक दिवस के रुप बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। सर्व प्रथम छात्र-छात्राओं ने स्कूल में गायन, नृत्य, ड्रम वादन पसंदीदा शिक्षक शिक्षिकाओं की नकल सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

साथ ही छात्र-छात्राओं ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को उपहार भेंट किया। इस अवसर पर प्राचार्य चंद्रशेखर कोशले ने कि, भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को मनाया जाता है, और यह परंपरा 1962 से शुरू हुई थी। इसी दिन डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। वे एक दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और राजनीतिज्ञ थे। शिक्षा के प्रति उनके समर्पित कार्य ने उनके जन्मदिन को भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बना दिया। व्याख्यता शिक्षिका सेवती साहू ने कहा कि, शिक्षक दिवस का उद्देश्य शिक्षकों के ज्ञान, नेतृत्व और समाज सेवा का सम्मान करना है। इस दिन स्कूल-कॉलेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाते हैं। भारत में गुरु को बहुत ऊंचा दर्जा दिया गया है। कार्यक्रम में उप प्राचार्य मधु मिर, विरेंद्र साहू, विरेंद्र मानकर, अनिता पात्रे, हेमलता भास्कर, काजल टोंडे, सकिना कुर्रे,मासूम कोशले, राजीव कोशले एवं छात्र-छात्राएं, कर्मचारी चंद्रशेखर बंजारे, कुलदीप, सचिन कोशले, झरना, जानसी भास्कर, रितु साहू, यामिनी साहू, सुमन, सागर, प्रीति मरावी, सुजाता, पायल साहू, शालिनी साहू, देवीका, प्रेमसागर, अतुल, लुसेन, प्रियंका, आशीष, तारीका, रंजीता खांडे, धनंजय, संजू, पायल, आदित्य अर्जुन, राहुल, भूपेश, भुनेश्वरी, ज्ञानेश्वरी, करीना, लोकेश, संजना, दीपक सिंह ठाकुर, आर्यन बर्मन, भावेश, अर्पित कुमार, लेखराम साहू, धनेश्वर, नवीन डाहिरे, श्रद्धा माथुर व छात्र-छात्राएं अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

सूरजमल स्कूल में शिक्षक सम्मान साइकिल वितरण समारोह

बिल्हा। शासकीय सूरजमल उमा शाला में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान समारोह व साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष वंदना जैंड्रे उपस्थित रहीं एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य संगीता कुशवाहा ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं शाला प्रबंधक एवं विकास समिति की वर्तमान अध्यक्षया पुनीता डहरिया, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल उपस्थित थे। इस मौके पर छात्र-छात्राओं के ने अतिथियों एवं शिक्षकों का सम्मान श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। प्राचार्य संगीता कुशवाहा ने संस्था की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से बताया। सत्यनारायण गोयल एवं पुनीता डहरिया ने भी शिक्षकों के योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि वंदना जेंड्रे ने संस्था की समस्या के निराकरण की बात कही। इस अवसर पर शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्य रामनाथ वर्मा, संदीप सलूजा, विश्वासा मानिकपुरी एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं में सुरेश, जाघव, अजय दुबे, विश्वकर्मा सर, निशा, दीपिका, सुमन चटर्जी, रीना डोंगरे, गीता शंकर उपाध्याय एवं ब्लॉक पत्रकार संघ अध्यक्ष विनोद वर्मा, सचिव कमल गर्ग, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था के व्याख्याता दिनेश सिंह बिसेन एवं आभार प्रदर्शन रामनाथ वर्मा ने किया। इस अवसर पर संस्था की ओर अतिथियों द्वारा से छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया।

नवोदय विद्यालय में मना शिक्षक दिवस

मल्हार। जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्य एमके श्रीवास्तव ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के याद किया। इसके बाद कक्षा नवमीं के छात्र नित्य गोपाल तथा ग्यारहवीं के छात्र रोहन ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को उपहार भेंट कर उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर उप प्राचार्य पीसी झा ने कहा कि, हमारे सर्वप्रथम गुरु माता-पिता होते हैं। उसके पश्चात एक विद्यार्थी जीवन को संवारने, पुष्पित व पल्लवित करने का कार्य गुरुओं के द्वारा ही किया जाता है। इसलिए प्रत्येक बच्चों का यह कर्तव्य है कि, वे अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, शिक्षक दिवस भारत के महान दार्शनिक पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन की याद में मनाया जाता है, उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत रहा है। उन्होंने पौराणिक आख्यानों से कृष्ण-सुदामा, अंगद तथा रावण पुत्र अक्षय कुमार के एक साथ शिक्षा ग्रहण करने को तत्कालीन समय में शिक्षा में समानता को दर्शित करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि, शिक्षक ना केवल सिखाता है, अपितु बच्चों में आत्मविश्वास, उच्च मनोबल तथा उच्च नैतिक शक्ति का विकास भी करता है।

बच्चों ने शिक्षक बनकर जूनियर्स को पढ़ाया

सेतगंगा–मुंगेली। एबीवाय इंग्लिश मीडियम स्कूल सेतगंगा में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। बच्चों ने अपने शिक्षकों की पूजा-अर्चना कर उन्हें उपहार प्रदान किया। इस मौके पर बच्चों ने स्वयं शिक्षक बनकर अपने से छोटी क्लास को अपने विषय की जानकारी के अनुसार पढ़ाया एवं शिक्षकों ने उनका आंकलन किया कि, कौन से बच्चे आत्मविश्वास, वेशभूषा, ब्लेक बोर्ड वर्क, सब्जेक्ट संप्रेषण के साथ पढ़ा रहे हैं। इसके आधार पर उन्हें फस्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान देकर इनाम दिया गया। इसके बाद सभी बच्चों को चॉकलेट दिया गया।

शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह एवं पौधरोपण

पेन्ड्रीडीह। शिक्षक दिवस के अवसर पर पेन्ड्रीडीह में समारोह एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हाई स्कूल, पूर्व माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं ग्राम पंचायत पेण्ड्रीडीह के सरपंच दाऊराम निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य तुलसी बघेल, मंजूषा गढ़ेवाल, दिलीप कोसले, वीरेंद्र घृतलहरे, राधेश्याम बंजारे, तरन्नुम बेगम, अर्चना निषाद आदि मौजूद थे।

शिक्षक दिवस पर बच्चों ने किया शिक्षकों का सम्मान

लोरमी। विकासखंड के अंतिम छोर में साशकीय पूर्व माध्यमिक शाला सेमरसल में शिक्षक दिवस के हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधान पाठक आत्माराम कश्यप ने डॉ राधाकृष्णन का एक शिक्षक से देश का राष्ट्रपति बनने तक के सफर के बारे में बताया। शिक्षक उमाशंकर सिंह ने कहा कि, शिक्षक समाज का सबसे जिम्मेदार व्यक्ति होते हैं, जो राष्ट्र का भविष्य गढ़ते हैं। संस्था प्रधान आत्माराम कश्यप ने सभी शिक्षकों को उपहार स्वरूप श्रीफल, नारियल व पेन भेंट किया। इस अवसर पर शिक्षक राजकुमार कश्यप, राकेश पाण्डेय, पुष्पा चतुर्वेदी, प्राथमिक शाला प्रधानपाठक आरती गुप्ता, स्मिता क्षत्री, ललिता शर्मा, स्वतंत्र ध्रुव, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार अंनत, बाल कैबिनेट प्रधानमंत्री परमेश्वरी साहू, सारिका पटेल, मुस्कान निषाद, वैशाली, दामिनी, माही, ज्योति, लकेश्वरी, राधिका, हरेश्वरी, आरती, लीलम, दिव्या, मेघा, शुभी, पायल, प्राची, शिवानी, सुमन, सुहाना, चंचल, सुशांत, समर, शैलेंद्र, मोहित सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सर्वाधिक उपस्थित रहने वाले बच्चों का सम्मान

मुंगेली। शासकीय प्राथमिक शाला बछेरा में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर सहायक शिक्षक लक्ष्मीकांत जड़ेजा, प्रधान पाठक जागेश्वर साहू, सहायक शिक्षिका विमलेश्वरी यादव एवं सभी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में शिक्षक दिवस मनाया गया। सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को पेन और कॉपी देकर शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने एवं सभी छात्र-छात्रओं को शाला आने के लिए प्रेरित किया गया। सबसे अधिक शाला आने वाले सविता, कविता, मीरा, छोटी, विधि, बुद्धेश्वरी, शिवरानी, नमन, लेखराज, दामु को पेन और कॉपी प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस शिक्षक दिवस के अवसर पर सहायक शिक्षक लक्ष्मीकांत जड़ेजा, प्रधान पाठक जागेश्वर साहू, सहायक शिक्षिका विमलेश्वरी यादव एवं सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।